# MRA ANGUA The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 16, 1974 (फाल्गुण 25, 1895)

No. 11]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 16, 1974 (PHALGUNA 25, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### भाग III- खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायः लयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, भंध लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications is used by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयीग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 श्रवतुबर 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रणा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 17 सितम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा ध्रायोग में केन्द्रीय सिषवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० डी० श्रीवास्तव को, राष्ट्रपति द्वारा 28 सितम्बर, 1973 से 9 नवम्बर, 1973 तक 43 दिन की श्रातिरिक्त प्रविध के लिए ध्रयवा ध्रागामी घादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा० III—संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० सुदर्शन को, राष्ट्रपति द्वारा 1 नवम्बर, 1973 से 18 दिसम्बर, 1973 तक 48 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी भादेश तक, जो भी पहले हो, उन्त सेवा के श्रनुभाग श्रिष्ठकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 जनवरी 1974

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा० III—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिचनालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० एम० क्षत्रिय को, राष्ट्रपति द्वारा 26-12-1973 से 28-2-1974 तक 496GI/73 65 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

संव ए० 32014/1/73-प्रशा० III—इस कार्यालय की सम-संख्यक ग्रिविस्चना दिनांक 15 दिसम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्त को, राष्ट्रपति द्वारा 25-12-1973 से 28-2-1974 तक 66 दिन की अतिरिक्त श्रवधि के लिए श्रथवा आगामी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 32014/1/73-प्रशा०- III---संघ लोक सेवा ग्रायोग में केम्प्रीय सिववालय संवर्ग के स्थायी सहायक श्री श्रार० के० मागो, को राष्ट्रपति द्वारा 20-12-1973 से 28-2-1974 तक 71 दिन की श्रविध के लिए श्रथवा ग्रागामी श्रावेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाना है।

दिनांक 17 जनवरी 1974

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III --- संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संघर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एल० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा, 24-12-1973 से 16-2-1974 तक 55 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप के कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रणा०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रिधिसूचना दिनांक 12 दिसम्बर, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया की, राष्ट्रपति द्वारा 3 जनवरी, 1974 से 28 फरवरी, 1974 तक 57 दिन की ग्रतिरिक्त ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73 प्रशा०-III—संघलोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एस० दला की, राष्ट्रपति द्वारा, 4-1-1974 से 28-2-1974 तक 56 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रायामी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं०ए० 32014/1/73-प्रणा०-III—इस कार्यालय की संम-संख्यक श्रिध्यक्ता दिनांक 15 जनवरी, 1974 के श्रनुक्रम में सेंघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री धनीणचन्द्र को राष्ट्रपति द्वारा 20 जनवरी, 1974 से 28 फरवरी, 1974 तक 40 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा अगामी आदेण तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिष्ठकारी ग्रंड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> एम० ग्रार० भागवत ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

## केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1974

मं० 2/4/74-प्रशाशन — कन्द्रीय सतकर्ता आयुक्त एतव् द्वारा श्री कस्तूरी लाल, केन्द्रीय मतर्कता आयोग के स्थाई सहायक, को 8 फरवरी, 1974 पूर्वाङ्ग में अगले आदेश तक, आयोग में स्थानापश रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 2/23/72-प्रणासन— केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री जी० आर० कनल, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के काय-पालक अभियंता को 25 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक केन्द्रीय सकर्वता आयोग में तकनीकी परीक्षक नियक्त करते हैं।

> बी० व्ही० दिक्षे, अवर सचिव कृते केन्द्रीय ससकंता आयुक्त

## केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

## नई दिल्ली-16, दिनांक

सं० श्री शाहीरुल हसन, अनुवाद अधिकारी, को 13 फरवरी, 1974 (पूर्वाक्ष) से केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरी में सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त किया जाता है, यह नियुक्ति सर्वेषा अस्थायी और तदर्ष आधार पर की गई है।

#### दिनांक 23 फरवरी 1974

सं० 8(3) 1/72-प्रशा० -- केन्द्रीय सचिवालय सेवा (सहायक) के श्रेणीं चार के स्थायी अधिकारी, श्री ओम प्रकाण, जो इस समय कृषि विभाग के केडर से संबंधित हैं को 13 फरवरी, 1974 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, गृह मंद्रालय में प्रशासनिक अधिकारी निमुक्त किया जाता है।

> गोविन्द मिश्र, निदेशक

# वित्त संद्वालय (अर्थ-कार्य विभाग)

## भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक मार्गं,दिनांक 9 फरवरी 1974

सं० 5 19 6/ए० — इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 42 40/ए० दिनांक 20 नवम्बर, 1973 का आशोधन करते हुए मैं श्री आर० एस० पाल को (भारतीय सेना के पूर्व कप्तान तथा भार प्रतिभूति मुद्रणालय में पहले स्थानापन्न अवर प्रयंवेक्षक) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक मार्ग, में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) के पद पर र० 400-25-500-30-590 द० रो 30-800 द० रो० 30-830-35-900 के वेसनमान में दिनांक 1 जनवरी, 1972 से आगे आवेश तक, नियुक्त करता हूं।

#### दिनांक 11 फरवरी 974

मं० ए०—श्री जी० डी० पोल, जिनकी नियुक्ति उप नियंत्रण अधिकारी (श्रेणी-II-राजपित्रत पद) पर भारत प्रतिभूति मद्र-णालय नासिक रोड में दिनांक 12 जुलाई, 1972 से तदर्थ रूप में पहली बार एक साल के लिये हुयी थी और बाद में अधिसूचना सं० 2635/ए० दिनांक 13 सितम्बर, 1973 के अनुसार दिनांक 31-12-1973 तक के लिये सेवा जारी रखी गई आगे इसी तरह 31-5-74 तक काम करते रहेंगे अथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति से कर दी जाये।

#### दिनांक 12 फरवरी 1974

पं०5274/ए०--- श्री आर० एन० आडवानी, जिनकी नियुक्ति उप नियंत्रण अधिकारी (श्रेणी-II राजपत्रित पद) पर देखार्थ पत्र मुद्रणालय नासिक रोड में दिनांक 11 दिसम्बर, 1971 से तदर्थ रूप में पहली बार एक साल के लिये हुयी थी और बाद में अधिस्चना सं० 4252/ए० दिनोक 20 नवम्बर, 1973 के अनुसार 31-12-1973 तक के लिये सेवा जारी रखी गयी आगे इसी तरह 30-6-1974 तक काम करते रहेंगे अथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (केन्द्रीय स्थास्थ्य सेवा के अंतर्गत) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति से कर दी जाए।

वि० ज० जोशी, महा प्रबंधक

## आकाशवाणी महामिवेशालय

नई विस्ली, विनांक 4 फरवरी 1974

सं० ए०-12026/1/73 एस०पांच— श्री एस० एल० भारद्वाज, प्रशासनिक अधिकारी को महानिदेशालय की अधिसूचना सं० ए०-12026/1/73 एस० पांच दिनांक 30 नवम्बर, 1973 उदिसम्बर, 1973 डारा आकाणवाणी महानिदेशालय में तीन मास की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर लेखा निरीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था। अब आकाशवाणी महानिदेशालय उनको आगे और तीन महिनों के लिये अर्थात 14 मई, 1974 तक अथवा जब सक पुनरक्षित भर्ती नियम तैयार नहीं कर लिये जाते, जो भी पहले हो, उसी पदक्षमता में बनाए रखेगा।

नन्द किशोर भारद्वाज, प्रशासन उपनिदेशक इस्ते महानिदेशालय

# (सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1974

सं० ए०-35017/1/73सी० डब्ल्यू०-I— महानिदेशक, आकाशवाणीं, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सी०पी० डब्ल्यू० डी०) के सहायक इंजीनीयर (सिविल) श्री एस० आर० गुप्ता को 31-12-1973 (पूर्वाह्म) से प्रथमतः एक वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर, आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) के वैयक्तिक सहायक (रु० 425-900) के रूप में नियुक्त करते हैं तथा उन्हें मंडल कार्यालय (सिविल) कलकत्ता में तैनात करते हैं।

यी० ए० सोलोमन मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियर अधिकारी **कृते** महानिदेशक

नई बिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1974

सं 12/9(1) 73 सतकर्ता—महानिदेशक, आकाशवाणीं श्री रामधनी राम को, जो कि पहले राष्ट्रीय बीज निगम नि० बरेली (उ०प्र०) में वरिष्ठ बीज उत्पादन सहायक थे. आकाणवाणीं वाराणसी में। फरवरी 1974 से अग्रेतर आदेणो तक अस्थायी क्षमता में कृषि रेडियो अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह प्रशासन उपनिवेशक इते महानिवेशक

## नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1973

सं 0 2/63/60-एस०दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस०पी० सिंह, लेखापाल, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी नई दिल्ली को 17-12-1973 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, नई दिल्ली के अनुसंधान विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं०2/50/60-एस०दो०---महानिदेशक, आकाशवाणी, आकाशवाणीं, तिरुनेलवेली के कार्यालय के लेखाकार, श्री एस० शंकरसुब्बन को तारीख 12-12-1973(पूर्वाह्न) से उच्च शक्ति प्रेशित आकाशवाणीं, कालिकट में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 2/40/60-एस०दो०---महानिदेणक, आकाणवाणी, एतद्दारा श्रं कामेश प्रसाद लेखावाल, समाचार प्रसारण प्रभाग आकाशवाणी, नई विरुली को 10-12-1973 (पूर्वाह्म) से स्थाना-पन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी, रेडियो कण्मीर जम्मू के पद पर नियुक्त करते हैं।

> इन्द्रसेन पांधी अनुभाग अधिकारी **कृते** महानिदेशक

# परमाणु ऊर्जा विभाग महास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपक्कम--603102, दिनांक 12 फरवरी, 1974

सं० एम० ए०पी०पी०/1(160)/69-प्रशासन-463---मद्रास परभाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी रूप से सहायक प्रशाशन अधि-कारी के पद पर नियुक्त निम्नलिखित अधिकारियो का पदनाम 21 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से बदल कर सहायक कार्मिक अधिकारी कर दिया गया है:---

- 1. श्री एन० वी० रामन
- 2. श्री टी० एस० वेंक्टराभन
- 3. श्री एम० डी० राघवन

के० बालाक्षण्णन् प्रशासन अधिकारी कृते उप सचिव

## सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) का कार्यालय

## शुखि पत्र

## अर्जन रेंज-II आश्रम रोड अहमदाबाद

दिनांक 22-9-1973 को भारत के राजपस्न में पृष्ठ न० 3815 और पृष्ठ नं० 3827 (भाग-III खण्ड-1) पर प्रकाशित आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के आधीन सूचना से उपाबद्ध अनुसूची में शब्दों तथा अंकों "सं० न० 32,33......बड़ौदा" के बदले निम्निखित पिंद्ध :---

"बड़ौदा के दाजी भाई गुक्ल पोल, सुल्तानपुरा में स्थित मिल्कत सर्वे न० 32 पैकी, 33, 124, 125 तथा 126 क्षेत्रफल 196 वर्गगज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1030 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकृती अधिकारी बड़ौदा में लिखा है।"

# "कम्पनी अजिनियम 1956 और जिहार बोन्डेड वेयर हाऊस प्राइवेड लिमिटेड के विषय में "

सं० 8(832)/73-74-- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्ह्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिहार बोन्डेंड वेयर हाउस प्राइवेट लिभिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

> स० प्र० तायल कम्पनी निबंधक बिहार, पटना

## कम्पनियों के रजिस्टार का कार्यालय

# करपनी अधिनियम 1956 आफ मैसर्स शिव लाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट जिमिटेड:

कानपुर, विनांक 14 फरवरी 1974

सं० 1356/1113-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की द्वारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतत्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर शिव साल अग्रवाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का इसके ब्रितिकृत कारण दिया निया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

# कम्पनी अधिनियम 1956 आफ मेससं त्रीवेधी टाइप राइटर कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड ।

कानपुर, दिनांक 14 फरव ी 1974

सं० 1359/1851-एल०सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना की जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर तिवेदी टाइप राइटर कार्पेरेशन प्राइवेट लिमिटेड का इसके प्रतिकृत कारण विशितन किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

एस० सी० बासू रजिस्ट्रार

#### सूचना

इनिकुलम, दिनांक 19 फरवरी 1974

सं० 226/560 लिक्व०--- यत् सेन्ट्रल ट्रस्ट लिमिटेड (लिक्विडेशन में) जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्वालय पलवंगाड़ी दिवेन्त्रम में है, का समापन किया जा रहा है। और यत अद्योहस्ता-क्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है और यह कि स्टेटमेंन्टस आफ एका-उंटस समापक द्वारा दिये जाने के लिये आपेक्षित है छह कमवर्ती मास के लिए नहीं दी गयी है।

अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख में तीन माह के अवसान पर सेन्द्रल द्रस्ट लिमिटेड (लिक्बिडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक विशत न किया जाता है तो रजिस्टर से काट विया जायेगा और कम्पनी विश्वित कर वी जायगी।

के० के० सैयद मुहम्मद कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

## 4.7.4.4

दिनांक 31 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए० एस० भ्रार-/जाल०/ए०पी०-717/73-74--यत: मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4126, जुलाई, 1973 में लिखा है, जो गांव रेडू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन जुलाई, 73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- जोगिन्द्र सिंह, सुपुन्न ईशर सिंह सुपुत्र दत्ता वासी रेडू।
   (ग्रन्तरफ)
  - 2. श्री वैसाखा सिंह सुपुत्र दलजीत सिंह सुपुत्र रतन सिंह वासी संघ ढसीयां, तहसील फिल्लीर । (अन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्साक्षरी जानता है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्**द्वा**रा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित कया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4126, जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> डीं० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्रकृष आई० टी० एन० एस०......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 (थ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यांत्रय अमृतसर दिनांक 31 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/गुल०/ए०पी०-718/73-74--यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 घ (1961 का 43) सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है और जिसकी सं ९ दुकानें, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3607 जुलाई, 1973 लिखा है, जो जालन्धर नकोदर, रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निष्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

 श्री गंगा सिंह, पुत्र श्री नत्था सिंह, गकोदर रोड, जालन्धर । (अन्यरक) 2. साधू सिंह, लाल सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह, नकोदर रोड, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अक्षमोग में अम्रोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हिच रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बक किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकानें जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3607 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> डी० एस० युप्सा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जमवरी, 1974

#### प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन स्चना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-720/73-74---यत: मुझे ही ० एस० गुप्ता श्रायकर, श्रिधनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ध्पये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3606, जुलाई, 1973 लिखा है , जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे पाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए चा, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भ्रोर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्विक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिमिलिखित किए गए हैं।

प्रतः, प्रव धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, भायकर प्रवि-निवम 1961 (1961 का 43) ) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:---

- 1. गंगा सिंह, पूल श्री नत्या सिंह, नकोवर रोड, जालन्धर। 2. साधु सिंह, लाल सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह,
- नकोयर रोड, जालन्धर ।

(अन्तरक) (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता )

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह मुचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) उनत सम्पत्ति में राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

एतदुद्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अंतरिती को वी ज।एगी।

एतदुद्वारा भागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा। स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर **अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3606 जुलाई, 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आलंघर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1974

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये।)

प्रकप आई० टी० एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II
कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 31 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-719/73-74-यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संव धरती जैहा कि रजिस्टीकृत विलेख नंव 3318, जलाई, 1973 में लिखा है, जो गांव जमरोर, में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 बाजार मृह्य पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-से अक्त अन्तरण **जिखित में वास्तविक** लिखित उद्देश्य रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

.अत: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-तियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

1. श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री भुल्ला सिंह वासी जमरोर, मुख्तार आम, श्रीमती अमर कौर विधवा श्री भूल्लाश पुत्र श्री चनन और श्रीमती बलवीर कौर, ज्ञान कौर, पुलियां श्री मुल्ला सिंह जमरोर । (अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह, मोहन सिंह, जोगिन्दर सिंह, पुत्रा श्री श्री भुल्ला सिंह और श्रीमती बलदेष कौर पत्नी श्री ज्ञान सिंह सरजीतकौर पत्नी श्री मोहिन्दर सिंह गांव जमरोर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हिच रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3318 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्त्रर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्सा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जनरेंज-II, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाँक 31 जनवरी 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/फि०/ए०पी०-721/73-74--यतः मुझे डी०एस० गुप्ता म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1648, जुलाई 1973 में लिखा है, जो गाँव अट्टा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यसे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अव, धारा 269-ग के अनुसरण में,मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

 श्रीमती भागधन्ती विधवा श्री रघुनाथ सिंह, वासी बड़ापिड द्वारा जनरल अटार्नी, अरविन्द्र सिंह कलसी सुपृत्न ज्ञान सिंह, अथतार भवन, मिलर गंज, लुधियाना। (अन्तरक)
 2—496GI/73. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी कश्मीर सिंह,
 बड़ापिड, तहमील, फिल्लोर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां भुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि ,जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1648 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, अमृतसर

तारीखः 31 जनवरी, 1974

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाँक 31 जनवरी, 1974

निवेश सं० ए०एस०आर०/फि०/ए०पी०-722/73-74---यतः मुझ डी० एस० गुप्ता, सहायक श्रायकर श्रायुक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०1650 जुलाई, 1973 में लिखा है, जो गाँव बड़ापिंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 1973 को पूर्वीक्त सम्पति उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-विलेख के अनुसार अन्तरिप्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सै ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्सरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा

1. श्रीमती भागवन्ती विधवा रघुनाथ सिंह, वासी बङ्गापिड, द्वारा जनरल अटार्नी अरविन्द्र सिंह कलसी सुपुत्र ज्ञान सिंह, वासी अवतार भवन, मिलर गंज, लुधियाना । (अन्तरक) 2. श्रीमती सुरिन्त्र कौर पत्नी कशमीर सिंह, बड़ापिंड, तहसील फिल्लौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए एसदद्वारा कार्यवाहियो गुरू करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्रोपों की सुनवाई के समय सुने जान के लिए अधिकार होगा।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जायकर जिल्लाम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1650 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

ंडी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 31 जनवरी, 1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक मायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृनसर, विनांक 31 जनवरी 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/फि०/ए०पी०-723/73-74---यत: मझे डी० एस० गुप्ता अध्यकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रिकिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1649, जुलाई, 1973 में लिखा है, जो गाँव अट्टा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय र्रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 काए 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोक्टल विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तिरती (भ्रन्तिरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रमीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरेद्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः, ग्रब, घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रिध-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:--- 1. श्रीमती भागवन्ती विधवा रघुनाथ सिंह, वासी बड़ापिड, द्वारा जनरक्ष अटार्नी, अरविन्द्र सिंह कालसी, सपुत्र ज्ञान सिंह वासी अवतार भवन, मिलर गंज, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. कशशीर सिंह सुपुत्र बलराज सिंह सुपुत्र प्रकाश सिंह बड़ार्पिष,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, लो-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्क्रारा श्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो भ्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही स्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1649, जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 **जनव**री, 1974।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज का कार्यालय अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1974

निर्देश सं ० ए० एस०आर०/पी० एच० एल०/ए० पी०-724/ 73-74-यत:,मुझे, डी० एस० गुप्ता श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र० से श्रधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1729 जुलाई 1973 लिखा है, जो गांव बड़ापिंड में स्थित है, (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 (190 का 16) के अधीवेन 1973 जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के शिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती भागवंती विधवा श्री रघुनाथ सिंह वासी बड़ािक्ट मार्फत उसकी मुख्तार आम श्री अरविंदर सिंह कलसी पुत्र श्री ज्ञान सिंह वासी अवतार भवन मिलर गंज, श्रीधयाना (अन्तरक)
- 2. श्री काश्मीर सिंह पुत्र श्री बलराज सिंह पुत्र सरदार प्रकाश सिंह, बड़ापिड (अन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2 में है (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-वह है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा मर्कों।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1729 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1974

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/पी० एच० एल०/ए० पी०-725/ 73-74--यत:, मुझे, डी॰एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 1961का 43)की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1730 जलाई 1973 लिखा है, जो गांव बढ़ापिंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन किसी या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मञ्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ष के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित म्यन्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती भागवंती विधवा श्री रघुनाथ सिंह वासी बड़ापिड मार्फंस उसके मुख्तार आम श्री अरविंदर सिंह कलसी पुत्र श्री ज्ञान सिंह वासी अवतार भवन मिलर गंज, लुधियाना । (अन्तरक)

- श्री काण्मीर सिंह पुत्न श्री बलराज सिंह पुत्र सरदार प्रकाण सिंह, बजापिंड \_\_\_ (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में स्वि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां भुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्नी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1730 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर म लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 31 जनवरी 1974 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1974

निदेश सं ० ए० एस० आर०/एन० डी० आर०/ए० पी०-726/ 73-74--यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1002 जुलाई 1973 में लिखा है, जो गांव शंकर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान् प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घने अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घनी उपधारा

 बखतावर सिंह सपुत्र हरअंस सिंह गांव शंकर तहसील निकोदर (अन्सरक)

- 2. श्री पवित्न सिंह सपुत्र जसबीर सिंह गांव शंकर **व्ह्रांसील** नकोदर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में अघोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्तित्त में रुचि रखता हो (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को की जाएंगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1002 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनाँक 31 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० ई०/एन० डी० आर०/ए०पी० -727/ 73-74--यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0 1031 जुलाई 1973 लिखा है, जो गाँव शंकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (म्रन्सरितियों) के बीच सथ पाया गया ऐसे प्रन्सरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्सरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अखिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री बख्तावर सिंह पृत्र श्री हरबंस सिंह गाँव शंकर तहसील नकोवर (अन्तरक)
- 2. सरदार जसवीर सिंह पुक्त श्री चनन सिंह गाँव गांक) तहसील नकोदर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबझ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अधें होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में नं० 1031 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनोक: 31 जनवरी 1974

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० ई०/एन० डी० आर०/ए० पी०-728/ 73-74-यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1042 जुलाई 1973 लिखा है, जो गाँव शंकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना:

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

जतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (I) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

- 1 श्री बक्तावर सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह गाँव णंकर तहसील कोदर (अक्तरक)
- 2. श्री पवित्र सिंह पुत्र श्री जमबीर सिंह गाँव शंकर तहसील नकोदर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा: --
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मित्त के अर्जन के प्रति इस सचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतत्दारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1042 जुलाई 1973 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोक्र में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक: 31 जनवरी 1974

प्ररूप, ग्राई० टी० एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाँक 31 जनवरी 1974

निर्देण सं० ए० एस० आर०/एन० डी० आर०/ए० पी०-729/ 73-74-यत:, मुझे, डी० एम०गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास 'करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संव धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंव 1032 ज्लाई 1973 को लिखा है, जो गाँव शंकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्षित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय राजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण निखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने के लिए सुक्षर बनाना; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनामा;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 3—496GI/73

- 2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री बख्तावर सिंह मार्फत श्री बख्तावर सिंह, गाँव शंकर तहसील नकोदर (अन्तरक)
- 2. श्री रणपाल सिंह पुत्र श्री जसबीर सिंह गाँव शंकर तहसील नकोवर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशनं की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएंगी।

एसद्द्वारा आगे यह आधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1032 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी , नकोदर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज अमृतगर ।

तारीख: 31 जनवरी 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1974

निर्देण सं० ए०एस०आर०/एन० डी० आर०/ए० पी०-730/ 73-74-यतः, मझे, डी० एस० गृप्तः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- न्दर से अधिक है और जिसकी संबधरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंव 1001 जुलाई 1973 लिखा है, जो गांव शंकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियंम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के 'लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री बख्तावर सिंह मार्फ्त श्री बख्तावर सिंह गांव अंकर तहसील नकोदर (अन्तरक)
- 2. सरदार रामपाल सिंह पुत्र श्री जसवीर मिंह गांव णंकर तहसील नकोदर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या सत्सवधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृहारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई बों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यभापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1001 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नकोदर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

सारीख 31 जनवरी 1974 मोहर :

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1973

निर्देश सं० ए०एम० आर०/के०पी०एल०/ए०पी०-551/73-74-यतः, मझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र• से अधिक है और जिसकी सं० धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० जुलाई 1973 लिखाई है, जो गांव अलादीनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन जुलाई को पूर्वाक्त सम्पत्ति के 1973 उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही भुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीराखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. गुरनाम सिंह पुत्र श्री मण्यर सिंह वासी अलाीनपुर (अन्सरक)
- 2. सोहन सिंह पुत्र नरंजन सिंह गांव गूरे जिला जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पन्नि में एचि रखता है (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1070 जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, क्पूरथला में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश स० ए०एस०आर०/के०पी एल०/ए०पी-552/73-74--यत: मुर्झ, डी० एस० गुप्ता, गुप्ते आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 975 जुलाई 1973 लिखा है जो कपूरधला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्र अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1973, जुलाई को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुक्षर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना ।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती कुलबंत कौर पुत्री श्री इंदर सिंह वासी राजें के खेबटदार कपूरथला श्रीर दर्शन सिंह पुत्र फौजा सिंह वासी वहोई मार्फत श्रटार्नी मंगल सिंह (श्रन्तरक)
- (2) श्री अर्जन सिह पुत्र श्री पूर्ण सिह पुत्र श्री वसावा सिह वासी घा अरवे निणान (श्रन्तरिति)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कृष्टि रखता हो।(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्-द्वारा कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं:—

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, हो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- '(खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 975 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज स्रमृतसर

तारीख 30 अनवरी 1974

मोहर : (जो लागू न हो उसे काट वीजिए) प्रकप आई० टी० एन० एस० . . . . . .

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर तारीख 30 जनवरी 1974

निर्देश मं० ए एस आर/क पी एल/एपी-553/73-74---यन: मुझे डी० एम० गप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निण्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1169 जुलाई 1973 में लिखा है, जो अलादीनपर में स्थित है(और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कपुरथला म भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1973, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य मे उन्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) श्री हरजिन्द्रपालिसह सपुक्ष श्री चूड़ सिंह, गाव श्रलादीन-पुर, जिला कपूरथला (श्रनरक)

- (2) श्री बलवंत सिंह, सुरिन्द्र सिंह मपुत्र बेला मिंह गांव भुल्तर जिला कपूरथला (श्रन्तरिति)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है) ।
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में किन रखता हो । (बह् व्यक्ति, जिसके बारे में अभ्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है )।

को यह सूत्रना जारी गरके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए। एतद्कारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि काई है, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसी कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1169 जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीयती अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

भोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज का कार्यालय, ग्रमृतसर ग्रम्तसर, तारीख 30 जनवरी 1974

निदेण सं०ए०एम० आर. विषयी व्यक्ति/एपी- 554/ 73-74--यतः मझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिंचत बाजार मूल्य 25,000/- +० से अधिक है और जिसकी संबधरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंव 1198 जुलाई 1973 को लिखा है, जो गांव मज़ोरवाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण (1908 16) 1908 का ग्रधिनियम, को पूर्वोचित सम्पत्ति के जुलाई **प्र**धीन 1973, उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उर्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिन्यिखत किए गए हैं।

अस: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन निम्निस्तिषत व्यक्तियों अर्थात :

- (1) श्रीमती सुणीलाधरमी पत्नी पंडित दीवान चंदे बासी जम्म हाल कपूरथला मुख्तार श्राम श्री दीवान चंद (श्रन्तरक)
  - (2) श्री मुन्दर सिंह पुत्र चूड़ सिंह गांव खुरवरेज जिला कपूरथला (अन्करिति)
    - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्र है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई है, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतष्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान वक किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1198 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, क्यूरथला में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर: प्ररूप आई०टी०एन०एस० ——— जीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर नारीख 30 जनवरी 1974.

निदेश सं० ए०एम०आर०/कपूरथला/एपी-555/73-74---यतः डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिस की सं० भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1062 जुलाई 1973 में लिखा है जो बाना मल बाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित क्राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि** अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप।ने के लिए सुकर बनाना।

आरेर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

(1) श्रीनवल किशोर सपुत्र बृजलाल तथा ग्रटार्नी श्राफ कांती प्रसाद वासी कपूरथला (ग्रन्तरक)

- (2) श्री भ्रवतार सिंह सपुत बग्रन्त सिंह तथा हरबंस कौर पत्नी बेग्रन्त सिंह वासी निजराना दयालसिंह, करनैल सिंह, जरनैल सिंह सपुदान श्री मोहन सिंह, संजोज जाला। (ग्रन्तरिति)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह स्पक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है ) ।
- (4) कोई क्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकारी होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1062 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कपूरथला में है।

> डी० एस० गुष्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ग्रमुनमर ।

तारीख: 30-1-1974 ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कार्यालय ग्रमृतसर

नारीख 30 जनवरी 1974

र्विदेश सं० ए०ए म०आर०/के०पी०एल० (ए०पी-556/73-74-यत: मुझे, डी०एम०गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयेसे अधिक है और जिस की सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 1104 जुलाई 1973 में लिखा है । जो गांव मैंवां में स्थित है (और इससे उपावद्ध ध्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रकरण ध्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार) मूल्य भे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने के लिए सुकर बनाना;

ं और गतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखात किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ध के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः——

- (1)श्री कुलतार सिंह सपृत्न बलकार सिंह वासी मैवां (भूनरक)
- (2) श्रीमती चिन्ती पत्नी फकीर सपुत्र मसीह बासी परगयं खास। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है ) ।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में क्रिय रखता हो (वह व्यक्ति. जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतपुद्धारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस मूचना के राजपल्ल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की ताभील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिमूचिन किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतवृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसम प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क म यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो जम अध्याय म दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1101 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है ।

> डी० एम० गुप्ता, मक्षम प्रधिकारी महायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमतसर

नारीख़ 30 जनवरी 1974 मोहर : (जो लागून हो उसे काट दीजिए) Ť.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, श्रमृतसर
नारीख 30 जनवरी 1974

निदेण सं० अमृतसर कपूर्यला/एपी-557/73-74--यत: मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० जुलाई 1973 लिखा है जो गांव मजरोवाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 4—496GI/73

- (1) श्री दर्णन सिंह पुत्र श्री वाला सिंह वासी माजरोबाल (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरी सिंह पुत्र श्री झण्डा सिंह वासी बालासोर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (बह व्यक्ति जिसके श्रिष्टिभोग में श्रुष्ठोहस्ताक्षरी जानता है )
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति जिसके बारे में श्रघीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृक्षारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावक सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूबवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 982 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, ग्रमृतसर ।

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर :

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरेकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ग्रमृतसर /कपूरथला/एपी-558/73-74--यतः म्झे डी० एस० ग्प्ता आयक्षर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है ग्रीर धौर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 986 जुलाई 1973 लिखा है जो हमीरा जिला कपूरथला में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिष्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह पतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रमरीक सिंह पुत्र स० फकीर सिंह पुत्र रूढ़ सिंह बासी हमीरा जिला कपूरथला (श्रन्तरक)

- (2) श्री चनन सिंह पुत्र स० गुरदास सिंह बासी कंगनीयानु, जिला जालंधर मार्फत श्री गुरदास सिंह (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है )।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव द है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संम्यधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान नियत किये जायेंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथागरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती, गांव हमीरा जैंसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 986 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी कपूरथला में लिखा है।

> ही० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख 30 जनवरी 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/एपी-559/73-74---यतः मूझे डी॰एस॰ गप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 981 जुलाई 1973 लिखा है जो मजोरवाल में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्व अनुमुची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता ऋधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1973 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतुः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री मक्खन सिंह पुत्र श्री बेला सिंह वासी मजोरवाल। (ग्रन्तरक)

- (2) श्री हरी सिंह पुत्र श्री झंडा सिंह वासी वालासोर, ग्रम्तमर (ग्रन्तरिति)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है )
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है):

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संम्बधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

धरती जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विल्ख नं० 981 जुलाई 1973 को राजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, कपूरथला में लिखा है

> ड़ी॰ एस॰ गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, श्रमृतसर ।

तारीख 30 जनवरी 1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

अमृतसर/कपूरथला/एपी-560/73-74-–यतः निदेश सं० मुझ डी० एस० गुप्ता ग्रायक्षर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 987 जुलाई 1973 को लिखा है जो गाँव हमीरा जिला कपूरथला में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है भौर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि ग्रन्तरक (भन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से लिखिस में वास्तविष रूप से उक्त ग्रन्तरण नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री फकीर सिंह वासी हमीरा, जिला कपूरथला (अन्तरक)

- (2) श्री चानन सिंह पुत्र श्री गुरदास सिंह वासी को वाला जिला जालंधर, मार्फत श्री गुरदास सिंह। (अन्तरिति)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ( वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एलबुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती, गाँव हमीरा जिला कपूरयला जैंसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 987 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई०टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, अमृतसर

विनाक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/के०पी० एल०/एपी-561/73-74--यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 997, जुलाई 1973 को लिखा है जो गाँव अदनावाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय राजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कर्म सिंह, श्रीमती दयाल कौर, चरण कौर, वचन कौर: पुत्रियां श्री चनन सिंह वासी परवेज नगर, जिला कपूरथला (अन्तरक)
- (2) श्री जीत सिंह, भजन सिंह, पुत्र गुरबखश सिंह गांव अदानावाली जिला कपूरथला (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 997, जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी यंकर आयक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनाँक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/के० पी० एल०/ए०पी०- 562/ 73-74 — यत:, मुझे, डी० एस० भूप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1022, जुलाई 1973 को लिखा है जो गांव देसाल जिला कपूरथला में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अतिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-रकों) और अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-घारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री कपूर सिंह पुत्र सरदार नानक सिंह वासी देसाल जिला कपूरथला । (अन्तरक)

- (2) श्री संतोख सिंह, प्रीतपालसिंह पुत्र नारायण सिक्रियासी सिम्बल बादला, जिला ग्रदासपूर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिशबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1022, जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपूरथला में लिखा है

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30 जनवरी 1974

🗹 प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०.....

प्रायकरं ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए०पी-563/73-74---यतः मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1114 जुलाई 1973 में लिखा है। जो मैत्रों में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रकरण अर्धानयम, 1908 (1908 का 16) के अफ़ीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेर द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घोरा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री कुलतार सिंह सपुत्र बलकार सिंह वासी मैंवा । (अन्तरक)

- (2) श्री फकीर मसीह सपुत्र पुल्ला राम वासी सराये खास, जालन्धर (अन्तरिति)
- (3) जैसा कि नं० में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )।
- ू (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृहारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगन।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1114 जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० अमतसर/सुल्तानपुर लोधी/ए०पी-564/73-74-यतः, मझे डी० एस०गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- ४० से अधिक है और जिसकी संख्या धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 502 जुलाई 1973 लिखा है, जो गौव कमालपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुल्तानपूर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जुलाई को पुर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोक्टत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) गुरवचन सिंह, उत्तम सिंह, सरूप सिंह दर्शन सिंह पुत्र श्री राजा सिंह गाँव कमालपुर । (अन्तरक)

- (2) श्री किशन सिंह पुत्र स० घमंडा सिंह और जार्गिसिंह मेजर सिंह, मखन सिंह, जसवंत सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, गाँव साखान के पुड़े। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह श्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 502 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुल्तानपुर लोधी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सज्जम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 30 जनवरी 1974

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर,

अमृतसर, तारीख 30 जनवरी 1974

निर्वेश सं० अमृतसर/सुल्तानपुर लोधी/ए०पी-565/73-74---यतः मुझे, डी० एस० गृप्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से श्रधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 503 जुलाई 1973 को लिखा है, जो गाँव कमालपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुल्तानपुर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पक्षि के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि य**थापूर्वोक्त स**म्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्सरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयर्का बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-- 5---496 GI/73

- (1) गुरवचन सिंह, उत्तम सिंह सरूप सिंह दर्शन सिंह पृत्न श्री राजा सिंह गाँव कमासपुर। (अन्तरक)
- (2) बंता सिंह पुत्र श्री ईशर मिंह गाँव लखन के पड़े (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है. आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 503 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुल्तानपुर लोधी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, अमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 30 जनव्री 1974

निर्वेश सं० अमृतसर/कपूरयला/ए०पी०-566/73-74---यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1128 जुलाई 1973 में लिखा है जो ' ' में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 की पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिस बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-फल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

बीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मान्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

सत:, अस, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री णंगारा सिंह सुपुत्र नेला सिंह आदि वासी इम्पूरा (अन्तरक)
- (2) प्रीतम सिंह सुपुल चैन सिंह वासी हमीरा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता हैं)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पिख में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पिश् में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पन्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला के कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 1128 महीना जुलाई म लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30 जुलाई 1**97**3

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

> भारत मरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यलय

> > तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं अभूतसर/एपी-567/73-74---यतः मुझ, डी॰ एस० गुप्ता आधकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1157, 1158 तथा 1159 जुलाई 1973 में लिखा है। जो 27 लारैंस रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, - 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ₹:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

ग्रीर यतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभलिखित किए गए हैं।

म्रतः म्रब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:--

- (1) हस्वरण सिंह सुपुत्र सौदागर सिंह 27 लारैंस रोड़, अमृतसर' (अन्तरक)
- (2) (1)श्री चमन लाल सुपुत्र श्री गुली राम (2) राज कुमार सपुत्र चमन लाल (3)श्रीमती सुमन भाटिया पत्नी राजकुमार लारैंस रोड़ अमृतसर (अन्तरिति)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में अधोहस्ताक्षरी जानता ह)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्बद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन लिए एतद्श्वारा कार्यधाहियाँ सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1157, 1158 तथा 1159जुलाई 1973की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर । में लिखा है।

> डी० एस० गुप्सा सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज कार्यालय अमृतसर

अमृतमर, तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश मं० ऐ०ऐस०आर०/ए०पी-568/73-74--यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1159 जलाई 1973 में लिखा है। जो 27 लारेंस रोड़, अमुससर में स्थित है (और इसमे उपाबद्र अनुसूची मैं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्र-करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रिंतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने के लिए सुकर बनानाः।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) हरचरण सिंह सपुत्र श्री सौदागर सिंह 27 लारैंस रोड़, अमृतसर (अन्तरक)

- (2) श्रीमती सुमन भाटिया पन्नी श्री राज कुमार लारैंस रोड़, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत्त किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया आता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आकेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1159 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्सा, सज्जम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अयुतसर

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर:

> भारत सरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

> > तारीख 30 जनवरी 1974

अमृतसर /एपी-569/73-74---यतः मुझे निदेश स० एस० गुप्ता श्रायकर ग्रधिनियम डी ० (1961 का 43) की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1158 जुलाई 1973 में लिखा है। जो 27 लारेंस रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वीक्तः सम्पत्ति के उचित बाजार संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ब्रनुसार ब्रन्सरित की गई है ब्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (भ्रन्सरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत ग्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने के लिए सुकर बनाना, ।

भीर यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

म्रतः, म्रब धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, भ्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिरु व्यक्तियों, भ्रथीतः—

(1) श्री हरवरण सिंह सुपुत्र श्री मौटागर सिंह 27 लारेस रोड़, अमृतसर (अन्तरक)

- (2) श्री राज कुमार सुपुत्र श्री चमन लाल लारैन्स रोड़, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध , जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के श्रजंन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे भौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्राय-कर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

सम्पत्ति जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1158 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारी**व** 3**0 ज**नवरी 19**74** मो**हर**: प्ररूप आई०टी० एन०एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० अमृतसर/एपी-570/73-74---यतः मुझे डी एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/~ रुपये से अधिक है उपित बाजार मूल्य, और जिस की सं० जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1157 जुलाई 1973 में लिखा है। जो 27 लारेंस रोड़ अमृतसर स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर अधिनियम रजिस्ट्रीकरण भारतीय (1908 का 16) के आधीन जुलाई 1973 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय णया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए मा, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गर्ये हैं।

अत: अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हरचरण सिंह पुसुपुत श्री सौदागर सिंह 27 लारेंस रोइ, अमृतसर (अन्तरक)

- (2) श्री चमन लाल सुपुत्र श्री गुलीराम लारेंस रोड़, अक्तूसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

्रत्व्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 1157 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है

> डी० एस**० गु**प्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

तारी**ब** 30 जनवरी 1974 मोहर: 🎹 प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

> भारत सरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

> > तारीख 30 जनवरी 1974

सं० अमृतसर/बटाला/एपी-571/73-74-यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर ग्रधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269ध के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी मं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2510 जुलाई 1973 में लिखा है। जो बटाला गरबी में स्थित है (और इससे उपात्रद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पुगय-मान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार धन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भौर यह कि श्रन्तरक (म्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याब 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री पं० प्रभदयाल, घृजमोहन सपुत्रान स्वर्गीय पं० चरन दास तथा भूपिन्द्र पाल, चन्द्रपाल, दीपक पाल सपुत्रान पं० हंसराज नजदीक पावर हाउस, धारीबाल (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एसद्दूरारा कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हा, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचिस किया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डी० एस० गुप्ता मक्षम प्रधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

तारीखा: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर कार्यालय ता्रीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० श्रमृतसर/बटाला/एपी -572/73-74-यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिस की सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2537 जुलाई 1973 में लिखा है । जो श्री हरगोविंदपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1973 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनागा; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मध्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुख् करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-निथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थास्:--

(1) श्री छज्जू सिंह मुपुत्र रंजीत सिंह, रवेल सिंह सुपुत्र चेत सिंह गांव हरगोबिन्वपुर तहसील बटाला

श्री झजर सिंह पुत्र धन्ना सिंह वासी नानोवाल जींदर त० जिला गुरदासपुर श्री मथुरा सिंह पुत्र लष्ठमन सिंह वासी कोतली तर किला गुरदासपुर (अन्तरक)

- (2) श्री रोमन सिंह, रसील मिंह तथा कुलबंत सिंह सुपुत्र भजन सिंह तारा सिंह सुपुत्र कुपाल सिंह बासी श्री हरगोबिन्दपुर तहसील बटाला (अन्तरिती)
- (3) जेसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता हैं )
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे.में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2537 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

**तारीख** : 30 जनवरी 1974

\_\_\_\_

Ť

2. (1.1)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० अमतसर/जालन्धर/एपी-573/73-74---यत:, मुझी, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 कोठी 649 माडल टाउन जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3874 जुलाई 1973 में लिखा है जो भाडल टाउन जाल धर नें स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित 🕏 ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भ रतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में भ्रमी करने या उससे बचने के लिए सुकार बनाना; भीर
- (ख) ऐसी फिसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भ्रत: भ्रब घारा 269-घ के भ्रन्सरण में, मैं भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:—- 6—496GI/73.

- (1) श्री हाकिम सिंह सुपुत्र जय सिंह, अमरजीत सिंह और गुरिन्दर सिंह सुपुतान श्री हाकिम सिंह, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नसीब कौर पत्नी स॰ **उधम सिंह गांव** सन्सारपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध , जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रीर स्थान नियत किए जाएंगे ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा श्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3874 महीना जुलाई, 1973 के रजिस्ट्रीकृती अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

> भानरत सरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

> > तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० अमृतसर /जालन्धर/एपी-574/73-74/ यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 कोठी 649 माडल टाऊन जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3901 जुलाई 1973 में लिखा है, जो माडल टाऊन, जालंधर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नालेखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा; 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री हाकम सिंह पुत्र श्री जय सिंह अमरजीत सिंह और गुरिंदर सिंह पुत्र श्री हाकम सिंह, जालंधर (अन्तरक)

- (2) श्रीमती वचन कौर पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह पृत्र श्री ऊग्रम सिंह, संसार पुर (अब डी॰ एस॰ पी॰ वी॰ एस॰ एफ॰ जालंधर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगढ़ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

1/2 कोठी नं० 649 माडल टाऊन जालंधर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 3901 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

> > अमृतसर, तारीख 30 जनवरी 1974

ASR/Jul/ए०पी~575/73-74-—यत:, निर्देश मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु०से अधिक है और जिसकी सं० कोठी नं० 649 माडल टाऊन जालंधर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3874 और 3901 जुलाई 1973 लिखा है जो माडल टाऊन जालंधर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अत: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में. मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्री हाकम सिंह पुत्र स० जय सिंह अमरजीत सिंह और ग्रिंदर सिंह पुत्र श्री हाकम सिंह, जानंघर (अन्तरक)

- (2) श्रीमती नसीव कौर पत्नी स० ऊधम सिंह गांव संसारपुर श्रीमती वचन कौर पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री ऊधम सिंह गांव संसारपुर (अब डी० एस० पी० वी० एस० एफ० जालंधर) (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न्० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्कारा कार्यवाहियां भुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबाद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्हारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षंपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोटी नं० 649 माडल टाऊन जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3874 और 3901 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अनुतहर

अमृतसर, त.री अ 30 जनवरी 1974

ASR/PHL/ए॰ पी-576/73-74---यतः निर्देश सं० म्भ शीः एस० गुप्ताः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है क्षीर जिस की सं० भूमि जैसा कि रिजिस्ट्री गृत विलेख नं० 1851 जुलाई 1973 में लिखा गया है। जो गांव गान पिंड में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर जुल ई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोक्कत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप संकथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व यें कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- () ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अथ तु —

(1) श्री स० भगत सिंह सुपुत्र ऊधम सिंह, गांव अट्टा, तहसील फिलौर (अन्तरक)

- (2) सर्वश्री नोहिन्द्र मिह, भजन सिंह, गुरनेल सिंह क्विंका कर्म सिंह बासी नंगल तहसीन फिलौर (अन्तारेती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मेंन अधोहस्त क्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखत हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानतः है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाणिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री इत विलेख नं० 1851 जुलाई 1973 के रजिस्ट्री कर्ती अधिकारी फिलौर, में लिखा है।

> ही० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अनुसतर

तरीइ:30 जनवरी 1974

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० \_

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतपर, तारीव 30 जनवरी 1974

ASR/SPR /ए०पी-577/73-74---यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि जैमा कि रिजिस्ट्री त विलेख नं० 497 जुल ई। 1973 में लिइ है जो गांव अल दिला में स्थित है (और इससे उपत्वस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुलतानपुर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे म्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 -घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री अर्गुन सिंह सृपुत्र सरदार किशन सिंह वासी अलादिसा सहसीत सुलत त पुर लोबी। (अन्तरक)

- (2) श्री गुरदास हिं सुपुत्र स० सुरैन हिं वःसी अल दित्ता वहसीत सुलतानपुर लोबी (अन्तिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोह त क्षरी जानत है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखत हो (वह व्यक्ति जिसके ब.रे में अधोहरत क्षरी जानत. है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति आरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदढारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

# अमुसूची

भूमि जै 1 कि रिजम्ट्री कृत विलेख नं० 497 जुल ई 1973 को रिजिस्ट्री क्री अधिक री सुसतानपुर लोधी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतकरा

त रीज : 30 जनवरी 1974

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० --

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक प्रायक्त भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृक्षार अनृत र, दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ASR/SPR/ए०पी-578/73-74/:--यत:, डी० एस० गुप्त∂, आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- न्पये से अधिक है और जिसकी सं० भिम जैसा कि रिजि दी हत विलेख नं० 521 जुल ई 1973 में लिखा है। जो गांव कमल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूल्तानपुर लोधी में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुल ई 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह धि ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) भ्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्रत श्रन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से धायित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या विया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

न्यतः अब, घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री करत.र सिंह सुपुत्र स० जीवन सिंह वासी कामलपुर (अन्तरक)
- (2) श्री करतार सिंह सुपुत्र स० गंगा सिंह कांव शकना खूईब तहसील, गुरदासपुर (अन्तरिती)
- (2) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जनाता है) ।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखत हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्त क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है, कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, को मुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रिकस्ट्रीकर्ता अधिक री सुल्तानपुर लोधी के लेख नं० 521 महीना जुलाई में लिखा है

> डी० एस० गुप्ता,' सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 30-1-74

प्रकप आई० टी० एन० एस०————— आयकर अधिनि म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतगर

\_ \_ \_ \_

दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेश सं० अनुत र/फगव ड़ा/एपी-579/73-74/यतः मुझे **डी**ः एस० गुप्तः महायकः आयकर आयुक्त, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा वि रिं ट्रीकृत विलेख नं० 811 जुल ई 1973 में लिखा है जो रनी र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुमरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिन्नि व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ती बन्तो विधवा श्री बता सिंह और महिन्द्र मिंह सुपुत्र श्री बतन सिंह र.नी गुर (अन्तरक)

- 2. श्रो स्वर्ण िह सुपुत्र स० ठाकर सिंह वासी जगपालपुर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं ० 2 में है (वह य्यक्ति जिसके अधिभोग में अघोड्मत क्षरी जानत है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखत हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां णुरू करना हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पप्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रिक्ट्री त विलेख नं 811 जुल ई, 1973 फगबाड़ा में लिखा है।

> डी० एस**०** गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतनर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमुसर, दिनांक 30 जनवरी, 1974

निर्देश सं० ए० एस० अपर/फगव डा/ए० पी-580/73-74/---यत : मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता सहायक आयकर अप्युक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिक री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ह० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्री हत विलेख नं ० 822 जुलाई 1973 है जो गांव खिनवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कर्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मान सिंह सुपूत्र स० गंडा सिंह फगव ड़ा (अन्तर्क)

[PART III—SEC. 1

- 2. श्री हरबंस सिंह, चरण गिंह, करनैल सिंह जरनैल सिंह सुपुतान श्री अनन्ता सिंह खिलवाड़ा (अन्तिरती)
  - 3. जैसा कि नं ० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)
  - कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो ।
     (वह ब्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहिया मुरू करता हूँ।

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रीर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसुची

भूमि जैसा कि रिषा ट्रीकृत विलेख नं० 822 जुलाई 1973 फगवाड़ा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर ।

त्तरीख: 30 जनवरी 1974

 $t = t = -t = -\frac{1}{4} \cdot t_{\mathrm{T}}$ 

मारत सरकार

महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतमर का कार्यालय दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० अ≀र/फगवाङ्ग/ए० पी-581/73-74/---यत : मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ इपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 914 जुलाई 1973 में लिखा है, जो गांव हादी आबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कार**ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का** उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः, अब, धारा 269- ग के अनुसरण में, मैं, आय कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुंज लाल सुपुत्र श्री गज्जु मल वासी हावीआबाद (अन्तरक)

- 2. श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह सुपुत्र उर्चम सिंह, पलाडी (अन्तरिती)
  - 3. जैमा कि नं ० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्भारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

. क्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 914 जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी, 1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1761 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए०एस० ग्रार्०/फग०/ए०पी०-582/73-74--यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० रजिस्दीकृत विलेख नं० भमि जैसा कि जुलाई, 1973 में लिखा है, जो गांव हादीश्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्ति सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक (अन्तरकों) है और यह कि अन्तरक (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

 श्री रमेण कुमार, सोहन लाल सुपुक्षान श्री राममूर्ति, वासी हादीश्राबाद । (भ्रन्तरक)

- 2. श्री बलवन्त सिंह सुपुत्र स० भगत सिंह वासी पालाही। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
( वह ब्यक्ति जिसके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतत्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्वं वर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, तही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### मनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 0 855 जुलाई, 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ~

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर दिनांक 30 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस० श्रार०/फग०/ए०पी०-583/73-74---यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 844, जुलाई, 1973 है, जो माण्डल टाउन फगवाड़ा में स्थित है, (श्रोर इससें उपाबद्ध भ्रनुसची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के ध्रायमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बुध्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अक्षः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री मती गुरबचन कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह, माडल टाउन, फगवाड़ा। (प्रन्तारक)

- 2. श्री बन्ता राम सुपुत्र श्री लोरिन्दा राम 'थरी एक्स इन्जीनियरिंग, मोती बाजार, फगवाड़ा, । (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसाकि नं० 2 में है।

(वह ब्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह ब्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इन स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 844, जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फगवाड़ा में हैं।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर कार्यालय तारीख 31 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/जुल०/ए०पी०-695/73-74---यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4035 जुलाई, 1973 को लिखा है जो बाई पास जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 1973 जुलाई, के उचित बाजार मूल्य पूर्वोक्त सम्पत्ति कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई हैऔर मुझेयहविश्वास करनेका कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, बारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री गुरबक्श सिंह पुत्र श्री नानक सिंह पुत्र श्री सुरैन सिंह, गांव मीठापुर, तहसील जालंधर । (अन्तरक)

- (2) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री सुरैनसिंह पुत्र श्री कुश सिंह गांव खुसरोपुर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्तावरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्कारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

ह्मन्द्रीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4035 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकृती श्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> बी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर ।

तारीख: 31-1-74

to the original

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ)(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक 30 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस० ग्रार०/फग०/ए०पी०-584/73-74--यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 खा के अधीन सज्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपए से अधिक उचित बाजार मुल्य ग्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 843 जुलाई, 1973 में लिखा है जो माडल टाउन, फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए रजिस्ट्रीकृत विलेखके अनुसार अन्तरितकी गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहे प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री मती गुरबचन कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह, माडल टाउन फगवाड़ा । (अन्तरक)

- 2. प्रेम सिंह सुपुत्र श्री बुध सिंह, हादीश्राबाद ।
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ६चि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थव्हीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 843 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ध्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 अमृतसर

दिनांक 30 जनवरी, 1974

निवेश सं० ए०एस०आर०/शाहकोट/ए०पी०-586/73-74—
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता श्रायकर श्रिधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 778,
जुलाई, 1973 में लिखा है जो शाहकोट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण

रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घिधकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के घिधीन जुलाई, 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) जो श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

धतः ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित भर्मात् :——

 श्रीमती शाम प्यारी सुपुत्ती श्रीमती दुर्गादेवी विधवा श्री गुरवक्श सिंह, वासी शाहकोट।

- 2. श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री बाबा सिंह, वासी भुलर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करती हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 778, जुलाई, 1973 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/शाहकोट/ए०पी०-587/73-74---यत: मुझे, डी॰ एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 789, जुलाई, 1973 में लिखा है, जो शाहकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वीचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती शाम प्यारी सुपुत्री दुर्गादेवी विधवा श्री गुरबक्श सिंह, वासी शाहकोट। (अन्तरक)
- 2. श्री हरबन्स सिंह मुपुत्र श्री पूर्ण सिंह सुपुत्र श्री सन्ता सिंह वासी मैहमोबाल, यूसफपुर, मेहमोबाल, यूसफ पुर। (अन्तरिसी)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 789, जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृससर

सारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेश सं ० ए०एस० आर० / शाहकोट / ए०पी०- 588 / 73-74--यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 781, जुलाई, 1973 में लिखा है, जो शाहकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 की सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित्। की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबात जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीना कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने य उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

 श्रीमती लज्या वती सुपुत्नी श्रीमती दुर्गा देवी विधवा श्री गुरवास सिंह वासी, शाहकोट। (अन्तरक) 2. श्री पूर्ण सिंह सुपुत्र श्री जोगिन्द्रसिंह सुपुत्र करक्टर सिंह वासी तन्दोबाल ।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है।

(वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं ० 781, जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शाहकोट में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ए०एस०ग्रार०/शाहकोट/ए०पी०-589/73-74---यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- ४० से अधिक है भौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 782, जुलाई, 1973 में लिखा है,जो गांव शाहकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ज्लाई, 73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोग्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात

1. श्रीमती लज्या वती सुपुत्ती श्रीमती दुर्गादेवी विधवा श्री गुरदास सिंह वासी शाहकोट। (ग्रन्तरक) 8—496GI/73  श्री जसवन्तं सिंह सुपुत्र स० इन्द्रसिंह, सुपुत्र श्री विशन सिंह वासी नंगल, श्रम्बीया।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह ब्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतड़-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 782, जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गाहकोट में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर

दिनांक 30 जनवरी, 1974

सं० ए० एस० ग्रार०/शाहकोट/ए०पी०-590/ 73-74<del>-</del>यतः मुझे डी० एस० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 780, जुलाई, 1973 है, जो शाहकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता,अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया कि ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।;

और यतः आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती लज्यावती सुपुत्ती श्रीमती दुर्गादेवी विधवा श्री ग्रदास सिंह वासी शाहकोट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह, सुपुत्र श्री रने सिंह वासी तन्दोबाल ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हिच रखता हो ।
(यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो — (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगीं।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 780 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शाहकोट में है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

नारीखा: 30 जनवरी, 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा

269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ग्रमुतसर

दिनाक 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ए०एस०भार०/शाहकोट/ए०पी-591/73-74-यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं०भाम जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 788, जुलाई, 1973 में लिखा है, जो शाहकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1973 के उचित बाजार पुर्वोक्त सम्पत्ति से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही गुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती लज्यावती सुपुत्ती श्रीमती दुर्गादेवी विधवा श्रीग्रदास सिंह वासी शाहकोट।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रताप सिंह, सुपुत्र श्री जवाला सिंह सुपुत्र निहाल सिंह वासी शाहकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

् (वह ब्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एसद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 788 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गाहकोट में लिखा है।

> डी० एस० **गुप्ता** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज श्रमृतसर

दिनांक 30 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/शाहकोट/ए०पी०-592/73-74--यतः मुझं डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्नौर जिसकी संख्या भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 625 जलाई, 1973 में लिखा है, जो गांव लकसीयां में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1973 भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री कमैंसिंह सुपुत्र श्री शाम सिंह सुपुत्र स० बेलासिंह वासी गांव मलसीयां।

(अन्सरक)

- श्रीमती क्रुपालकौर विधवा श्री हजारा सिंह सुपुत्र श्री शेरिसिंह वासी मलसीयां।
   (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रघोहस्साक्षरी जानता है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में घिच रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 625 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी शाहकोट में लिखा है।

> श्वी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जम रॅज, भ्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे कटा दीजिये।)

प्ररूप० आई॰ टी०एन० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर कार्याक्षय

दिनांक 30 जनवरी 1974

निवेश सं० ए०एस०आर०/शाह्कोट/ए०पी०-593/73-74--यत: मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269- थ के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 899, जुलाई 1973 को लिखा है, जो गांव सैयदपुर झीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच क्षय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए भुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जैन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर आधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री भान सिंह पुत्र तरलोक सिंह पुत्र स० देवा सिंह गांव सैयदपुर झीरी (शाहकोट)।

(अन्तरक)

2. श्री सुशीलकुमार पुत्र मनोहरलाल, विमलावती पर्त्नी श्री तरसेमलाल, साहिता कुमारी पत्नी इन्दर जीत , सन्तोष कुमारी, पत्नी ईश्वर कुमार, मार्फत में सर्स मनोहरलाल सुशीलकुमार, जवाहर मार्केट, शाहकोट ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं ० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृढ़ारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 899 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961) का 43 की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय दिनांक 30 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/शाहकोट/ए०पी०-594/73-74--यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक **है** और जिसको सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 761, जुलाई, 1973 को लिखा है, जो गांव कनियान कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्री-करण 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती चिनर्त आदि पुत्र श्री मुंशीराम पुत्र श्री मिलखी राम वासी विलगा तहसील, फिल्लीर।

(अन्तरक)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्धारा कार्येनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रमुक्त मब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची]

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 761 जुलाई, 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी माहकोट में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेण सं० ए०एस० आर०/नवांशहर/ए०पी०-595/73-74---यत: मुझे, डी० एस० गृप्ता आयनगर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1644, जुलाई, 1973 में लिखा है, जो मुकन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर दोआवा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनान; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ध के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

 श्रीमती बक्शो पत्नी चनन राम बूटा मंडी, एम० ए० जगतिमिह पुत्र श्री भगवान सिंह, गांव मुकल्दपुर।

(अन्तरक)

- 2. श्री गुरमेज सिंह, हरदीप मिंह पुत्र म० जगत सिंह और और श्री बलजीत सिंह, पुत्र जगत सिंह गांव, मुकन्दपुर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
  जानताहै कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यावाहियां मुख् करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती , मुकन्दपुर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1644 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर दोआधा में निखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30 जनवरी, 1974

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काट दीजिये।)

प्रक्प भ्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर का कार्याक्य, दिनांक 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ए०एस० श्रार०/नवांशहर/ए०पी०-596/73-74---यत: मझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1790, जुलाई, 1973 को लिखा है, जो फावड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबन ग्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नवांशहर धोग्रावा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार म्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे धन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ध्यान सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, श्री हरनामसिंह, संतोखसिंह गुरनामसिंह, पुत्र इंदरसिंह पुत्र शेरसिंह, वरियाम सिंह पुत्र इंदर सिंह, मुख्तार ग्राम श्रमर कौर पत्नी वरियाम श्रीह, गांव फावड़ा । (श्रन्तरक)

- 2. श्री हमीम सिंह, पुत्र किशन सिंह श्री नसीब कौर बलविंदर सिंह, दलजीत सिंह, रचबीर सिंह पुत्र हाकिम सिंह, गांव जाजा खुर्द । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूधना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया हैसथा सम्पति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती फावड़ा में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1790 जुलाई, 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवांशहर दोग्राया में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रज, ग्रमुतसर

तारीख: 30 जनवंरी 1974

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ध्रमृतसर कार्यालय दिनांक 30 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस०सी०/पानीपत/ए०पी०-597/73-74--यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्टीकृत विलेख नं० सितम्बर, 1973 में लिखा है, जो गांव कलयाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्षर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना

अतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20--क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

म्रतः म्रब, धारा 269-घ के म्रनुसरण में, मैं म्रायकर, म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रर्थात :—

श्री गंगा दयाल सुपुत्र श्री नत्थूराम ,
 वासी समालखा । (ग्रन्तरक)
 9—496GI/73

2. श्री रामकुमार जैन, कृष्णदेव, मोतीराम, सुपुत्रान श्री श्रात्माराम वासी समालखा।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

 कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रजंन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 1622 सितम्बर, 1973 में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, ग्रमृतसर

तारीख:30 जनवरी 1974

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

·प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज ममृतसर

दिनांक 30 जनवरी, 1974

निर्देश सं० ए० एस० म्रार/पानीपत/ए०पी-598/73-74--यत : मुझे डी० एस० गप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० फैक्टरी की इमारत जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1156 जुलाई 1973 में लिखा है, जो इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, पानीपत में स्थित है (धीर इससे उपावद अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1973, जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री राम लाल पुत्र श्री बेली राम श्रसांध रोड़, पानीपत । (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज स्वास्तिका हैंडलूम (प्रा॰) लिमिटेड, मार्फत श्री गुरचरण दास, मैनीजिंग डायरैक्टर पानीपत । (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता हे)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
    (वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
    हितबद्ध हे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्कारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फैक्टरी इमारत जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1156 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ध्रमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

## दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० म्रार/पानीपत/ए० पी-599/73-74/---यत : मझे डी० एस० गप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1326 अलाई 1973 को लिखा है जो पानीपत में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 1973, जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री हुकम चन्द पुत्र श्री गंगा राम कटारिया श्रौर नारायण देवी पत्नी श्री हुक्म चन्द एम० टी० पानीपत। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरिमला देवी पत्नी श्री एस० के० चौपड़ा, एस० के० चौपड़ा पुत्न श्री बसंतलाल, रतन सिंह पुत्न श्रीतम सिंह पुत्न दौला सिंह, शांति देवी पत्नी श्री जसवंत सिंह, हुक्म चन्य, भगवान दास श्रादि, पानीपत । (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में अधौ-हस्ताक्षरी जानता है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियाँ भुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --ध्समें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0 1326 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पानीपत में लिखा है।

> ङी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक 30 जनवरी, 1974

निर्देश सं० ए० एस० भ्रार/के० एन० एल/ए० पी-600/73-74 यत: मुझे डी० एस० गुप्ता भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- ₹० से प्रधिक है और जिसकी सं० धरती 118 कनाल 17 मरले गांव कण्छपुरा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2103 जुलाई 1973 में लिखा है, जो कच्छपुरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1973, जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- - 2. श्री वस्तावर पुत्र मूला वासी धर्गांद। (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 पर है ।
     (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
  - कोई क्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
     (वह व्यक्ति जिसके बारे मैं अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुमूची

धरती 118 कनाल 17 मरले गांव कच्छपुरा में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2103 जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, करनाल में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, घ्रमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, भ्रम्तसर विनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० म्रार/इहरा/ए० पी-601/73-74-यत : मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 760 सितम्बर 1973 में लिखा है। जो टिका मौजा चन्नोर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ड्रेहरा में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम कं दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिव है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नानक चन्द, जगत राम सपुत्रान श्री जैशी राम सुपुत्र श्री संत राम वासी भोलवाल तहसील ब्रेहरा।

- 2. श्री हरी राम, मस्त राम, प्यार चन्द सपुत्रान रन्न, नानक चन्द, मुन्शी राम सपुत्रान बसन्त राम वासी भालवाल तहसील डेहरा । (भ्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्लक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)
  - 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदुद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 760 सितम्बर 1973 को रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी डेहरा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 30 जनवरी, 1974

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रापंत रेंज भ्रमृतसर कार्यालय

दिनांक, 30 जनवरी 1974

निर्वेश सं० ए० एस० ग्रार/इहरा/ए० पी-602/73-74/--यत : मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 792 सितभ्बर 1973 में लिखा है। जो गांव टिका सालतरा मौजा गोदावर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रन सूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ड्रेहरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सितम्बर 73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर आधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत्र, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री बराइ। राम सपुत्र हुशनाकी चन्दू रोशन लाल, ताहोलू सपुत्रान सोहना वासी सालीहारा तहसील इहरा। (ग्रन्तरक)
- श्री मोती राम सपुत्र रिन्का राम, ध्यान सिंह सपुत्र मोती राम बासी सालीहारा तहसील ब्रेहरा । (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है ।
     (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
  - कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
     (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सुंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

# अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 792 सितम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ड्रेहरा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज ध्रमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/के० एन० एल०/ए० पी०-603/ 73-74--यत:, मुझे, डी० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीफ़ृत विलेख नं० 2742 अगस्त 1973 में लिखा है, जो गांव तासाँग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय रजिस्टीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितबाजार मूल्य से कम के दृश्यमान∙ प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1. श्री परशोतम लाल सुपुत्र ढोला राम वासी देहली (अन्तरक)
- 2. श्री पूर्ण, धनीराम सुपुष्नान साधु राम वासी तासन्न (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूभि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2742 अगस्त 1973 के रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269ध(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमतसर कार्यालय दिनांक 30 जनवरी 1974

ॅनिर्देश सं० ए० एस० आर०/हमीरपुर/ए० पी०-604/73-74--यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर 1961 (1961 क्या 43) की धारा 269 ម के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-से अधिक है और जिसकी रु० सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8 12 सितम्बर 1973 को लिखा है, जो गांव टिका सितरोती हमीरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हमीरपुर में भारतीय रिजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1973को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- 1. श्रीमती किशनी विधवा श्री हुक्म सिंह गांव सितरोती तहसील हमीरपुर (अन्तरक)
- 2. श्री सुरजीत सिंह, अभरजीत सिंह पुत्न धर्म सिंह गांव आदवार तहसील हमीरपुर (अन्तरिती)
- जैसाा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा । स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर

-इसम प्रयुक्त गब्दा और पदी का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 812 सितम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हमीरपुर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/नूरपुर/ए० पी०-605/73-74---यतः, मुझे, डी० एस० गृप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 16 सिसम्बर 1973 लिखा है, जो गांव टिका और माजा राजा खास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नृरपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कररण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री मुंशी पुत्र श्री मेहताब सिंह राजपूत वासी टिक्का राजा खास सहसील नूरपुर (अन्तरक)
 10—496GI/73

- 2. श्री जय सिंह, मान सिंह, रघबीर सिंह, चिमन सिंह पुत्र श्री मंगत राम पुत्र मुंगी राम राजपूत वासी मारता तहसील नूरपुर (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता हैं)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थानर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 16 सितम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नूरपुर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई ०टी ०एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43)की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/नुरपूर/ए० पी०-606/73-74-यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संव सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंव 23 सितम्बर 1973 में लिखा है, जो गांव बे-देसी मौजा कमनी में में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्रपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अन, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्रीमती व्यासो देवी पत्नी शंकर दास पुत्र जोधा राम बे-दासी मौजा कमनी तहसील नूरपुर (अन्तरक) 2. श्री उत्तम चन्द, शादी लाल, केवल कृष्ण सपुत्रान करेर राम, अमीनचन्द, राजेन्त्र कुमार, राज कुमार एण्ड मिलखी राम सपुत्रान श्री तुला राम ।

करम चन्द सपुन्न लशू राम, मुन्शी राम सपुन्न पल्बी राम, खरैती राम एण्ड नेक चन्द सपुन्नान श्री तोता राम वासी गांव हर तहसील डेहरा (अन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई ध्यक्ति, जो सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिधाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 23, सितम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नूरपुर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० न० एस०-

क्षायकर क्षिप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० ए० जी०/ए० आर०-607/ 73-74---यतः, मुझे, श्री० एस० गुप्ता 1961 (1961 अधिनियम, का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1989 अगस्त 1973 लिखा है, जो गांव फतेहगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकार अधिक नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री शिवशेर सिंह पुत्र राजा रिव शेर सिंह, 29 कन्टोनमैंट रोड देहरावून (अन्तरक)
  - 2. खगबंत कौर पुत्नी श्री रूपिंदर सिंह वासी छछरौली (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है (वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूषित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती 92 कनाल गांव फतेहगढ़ में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1989 अगस्त 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगाधरी में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमक्षसर

सारीख: 30 जमबरी 1974

प्रकप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर कार्यालय

तारीख 30 जनवरी 1974

निवेश सं० ए० एस० आर०/जगाधरी /एपी-608/73-74---यत:, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं भौर जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1910 भगस्त 1973 लिखा है जो जगाधरी में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्करण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:—

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-घ के अनुसरण में मैं आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्णात्:—

- (1) श्री ई० एम० संतर्सिह पुत्र डा० संत सिंह बासी सबूना (ग्रन्तरक)
- (2) लाला विष्णु भगवान पुत्र लाला रामेश्वर दास श्री त्रिज मोहन पुत्र रामेश्वर दास ग्रीर श्रनिल कुमार पुत्र लाला जय प्रकाश वासी जगाधरी (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रभिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्तिं जो सम्पत्ति में घिष रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतत्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1910 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, जगाघरी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सज्जम प्रधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज प्रमृतसर कार्यालय तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जगाधरी/एपी-609/73-74-यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र० से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1894 भगस्त 1973 लिखा है जो गांव फतेहगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भ्रगस्त 1973, को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ, के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री शिवशेर सिंह पुत्र राजा रिव शेर सिंह 29, कटोन-मेंट रोड़, देहरादून ।
- (2) कैंप्टन रविंदर सिंह जिक पुत्न लैंफ० कर्नल रूपिंदर सिंह वासी छछरौंसी (ब्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्कारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पित के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हुर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ध्रमृतसर तारीख 30 जनवरी 1974

निवेश सं० ए० एस० आर०/जगाघरी/एपी-610/73-74--गुप्ता आयकर डी० एस० 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1987 ग्रगस्त 1973 को लिखा है जो गांव फतेहगढ़ में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1973 को को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) शिवगेर सिंह पुत्र राजा रिव शेरसिंह 29, कन्टोनमैंट रोड़, देहरादून । (अन्तरक)

- (2) श्री तिजंदर सिंह पुत्र सं० धर्म सिंह श्रीमती जसमेर कौर पत्नी तिजंदर सिंह वासी छछरौली। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्राधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एत्द्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, मदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती, 10 कनाल 17 मरला गांव फतेहगढ़ में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1987 ग्रगस्त 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जगाधरी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहरः (जो लागू न हो उसे काट दीजिए) प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय अर्जन रेंज अमृतसर

श्रम्तसर तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं॰ ए० एस० आर०/जगाधरी/एपी-611/73-74--यतः, मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज्यार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० **जै**सा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1988 भगस्त 1973 को लिखा है जो गांव फतेहगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1973 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के जिए सुकर बनाना।

अरेर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री शिवशेर सिंह पुत्र राजा शेर सिंह वासी 21 कन्टोन-मैंट रोड, देहरादून । (अन्तरक)
- (2) लै॰ कर्नल रूपिंदर सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह विक वासी छछरौली । (শ্বনবিংনী)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

े उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिकाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती 110 कनाल 19 मरले गांव फतेहगढ़ में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1988 ग्रगस्त 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जगाधरी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररुप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1974

् निदश सं० ए०एस० आर०/जगा०/ए० पी०-612/73-74---यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1894, 1987, 1988 और 1989, अगस्त 1973 लिखा है जो गांव फतेहगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, अगस्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अणीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री शिवशेर सिंह पुत्र राजा रिव शेर सिंह 29,
 कन्टोनमैंट रोड, देहरायून। (अन्तरक)
 (2) 1. कैप्टन रिवन्द्र सिंह ब्रिक पुत्र लै० कर्नेल रुपिन्द्र सिंह ब्रिक,

- तजिन्द्र सिंह पुन्न स० धर्म सिंह, श्रीमती जॅसमेर कौर पत्नी श्री तजिन्द्र सिंह,
- 3. लैं० कर्नल रुपिंदर सिंह मुद्र श्री धर्म सिंह ब्रिक
- 4. कुमारी भगवंत कौर पुत्नी लै॰ कर्नल रुपिंदर सिंह वासी छछरौली। (अन्सरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अघोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हित्तबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतयुद्धारा कार्यवाहियाँ मुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त प्रव्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घरती, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1894, 1987, 1988 और 1989, अगस्त 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी, जगाधरी में सिखा है। घरती, गाव फतेहगढ़ में स्थित है।

जी० पी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेज, अमृतसर

अमतसर, दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० आर०/न० गढ़/ए० Ūο एम० पी०-613/73-74/—-यस मुझे, खी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० मे अधिक है और जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1489 अन्तूबर 1973 लिखा है। जो गांव देरा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नारायण गढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पाब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारां 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्री रेक्खान दास, रोशन सास असर नाथ पुत्रांन श्री 11--496GI/73 अमीन चन्द, बासी साध्पुरा

(अन्तरक)

- 2. सर्वश्री रामेण कुमार, जगदीश कुमार पुत्र नौरिंद चन्द, अनिल चन्द्र पुत्र साबू राम बासी गांव देरा। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। )वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

धरती, 136 कनार 3 भरला गांव देलरा मे जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1489, अक्तूबर 1973 को रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, नारायण गढ़ में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 30 अनबरी 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एग० आर०/कुल्लू/ए० गी०-614/73-74,----यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० **धर**ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 636, अक्तूबर, 1973 लिखा है जो गांव फाती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुल्ल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1973 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िस्सी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भाष्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही मुख करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, में, धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती शीला पत्नी श्री रनेश सिंह राजपूत वासी कतरी कोठी, वारागढ़, तहसील कुल्लू। (अन्तरफ)
- 2. श्री सेज राम पुत्र श्री नुख जंगपी राजपूत, वासी लार कोठी वरपा तठ कटेग। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे कृचि रखता है। (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,{तो ः—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 636, अक्तूबर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कुल्लू में लिखा है। इी० एस० गुप्ता,

> सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भमृतसर

दिनांक: 30 जनवरी 1974

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/कुल्ल्/ए० पी०-615/73-74---यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के **अधीन** सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से अधिक है ऑर जिसकी सं० धरती, जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 637, अक्तूबर 1973 को लिखा है जो गांव फाती में स्थित है(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुल्लु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1973 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत यिलेख के प्रनु-सार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृग्यमान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि श्रन्तरमः (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवध रूप से मधित नहीं भिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिधित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीमती शीला पत्नी रामेण सिंह राजपून, वासी कतरी कोठी वारागढ़ तहसीर कुल्लू। (अन्तरक)
- 2. श्री छाया राम पुत्न श्री भगत राम राजपूत, वासी कोठी टांडी और लारे कोठी वरपा त० कटोग जिला लाहोल संपिति। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग म अभोहस्ताक्षढी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पिति म रुचि रखा हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचन। दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 637, अक्तूबर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कुल्लू म लिखा है।

> डी० एस० **गुप्ता** सक्ष**न प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **अमृतसर।**

दिनांक : 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-2, अमृतसर

अमृतसर, दिनाँक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/कुल्लू/ए० पी०-616/73-74--यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 638, अतुक्बर 1973 को लिखा है जो गाँव फाती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कुल्लू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन अक्तूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्र्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती शीला पत्नी श्री रमेश सिंह राजपूत, वासी बाहरा कोठी बारागढ़ गहसील कुरुन्। (अस्तरक)

- 2. श्री छाया राम पुत्र श्री भगत राम राजपूत, कोठ्टी टौंडी तहसील कटंग जिला दनहाल संपिति। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भाग में अधोहस्ताक्षरी जानना है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखाता हो। (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खरी 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जावेगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एसे ■यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचन। दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्छीकरण--इसमे प्रयुक्त शन्दी और पदी का, जो आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषा गया है।

#### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 638, अक्तूबर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कुल्लू में लिखा है।

> डी० एस० गृप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

भारत सरकार

कार्यांतय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाँक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं०ए० एस० आर०/कुल्लू/ए० पी०-617/73-74 —यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 636, 637, 638 और 639, अक्तबर 1973 में लिखा है जो गाँव फट़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कुल्लु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन अकनुबर 1973 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अरेर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्रीमती शीला पत्नी श्री रमेश सिंह राजपूत, वासी कतरी कोठी बारागढ़ त० कुल्लु। (अन्तरक)
  - श्री सेज राम पुत्र नुख ऑगपो राजपूत, वासी लार कोटी थरपा, शुरु काटेग

- श्री छाया राम पुत्र भगत राम राजपूत, बासी कोठी टाँडी और साज राम पुत्र नुख जंगपो लार कोठी वरणा त० काटेग
- श्री छाया राम पुत्र श्री भगत राम राजपूत बासी कोठी टाँडी त० काटेग जिला सपिति लाहौल
- 4. श्री छाया राम पुत्र श्री भगत राम राजपूत वासी कोठी टाँडी और साज राम पुत्र नुख जंगपो : वासी लार कोठी, वरपा (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह न्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोद्दस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई ब्यम्ति जो सम्पित में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतत्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एंसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण:—क्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 636, 637, 638 और 639, अक्तूबर 1973 को रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी कुल्सू में लिखा है।

डी० एस० गुता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनाँकः: 30 जनवरी 1974।

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

श्रायकर श्रिकितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनौंक 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-618/73-74---यतः, मुझे, डी० एस० गप्ता, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी कार्ण है कि विश्वास करने का सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1170, जुलाई 1973 में लिखा है। जो दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन जुलाई 1973 को पूर्वोम्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियां) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्सलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन यर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखिय व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री अमर नाभ मपुन्न जगन नाथ बुनेजा, बाजम्र बिलोनियाँ, अमृतसर। (अन्तरक)
- 2. श्री किशन चन्द गुप्ता मार्फत गवर्नमैंट ओरियंटल एसयोरेंस कं० कटफ़ड़ा जैंमल सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा िक नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिये एनदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित क्रिया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आधीपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के संगय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि का प्लाट जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1170 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर म लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 36 जनवरी 1974

मीहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनाँक 31 जनवरी, 1974

निवेश सं० ए०एस०आर०/शाह्कोट/ए०पी०-585/73-74— यतः मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 777 जुलाई, 1973 में लिखा है, जो शाह्कोट में

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के आधीन जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने के लिए सुकार बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्राब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

1. श्रीमती शाम प्यारी सुपूत श्रीमती दुर्गादेवी विश्ववा श्री गुरबङ्ग सिंह, बासी शाहकोट। (अन्तरक)  श्री सोहन सिंह सुपुत्न श्री बावा सिंह, वासी भुलर।

ं(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कि रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतस्क्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अधं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 777 जुलाई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में है।

> क्षी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अयुक्सर

तारीख: 31-1-74

प्ररुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-कार्यालय, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1974

निवेश सं० अमृतसरASR/AP-619/73-74--यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से मृल्य, अधिक और जिसकी सं० भृमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विशेख नं 1164, जलाई 1973 में लिखा है जो दयानन्द नगर, असतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है. रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 की पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यत: आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री अमर नाथ सुपुत्र जगन नाथ चुनेजा, बाजार खिलोनियाँ, अमृतसर। (अन्तरक)

- श्री तरलोक चन्द सुपुव नत्थ मल, कटड़ा मोती लिंभ, समतसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्साक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों में यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान वक किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1164 जुलाई 1973 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

> ही० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 जनवरी, 1974

🛰 प्ररुप ग्राई टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व

(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 30 जनवरी 1974

गुष्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिमत बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और मौर जिसकी सं० धरती का ट्कड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1472, जुलाई 1973 लिखा है जो कृष्ण नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (\*) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---12—496 GI/73  डा० चन्द्र मोहन पुत्र श्री अमोलक राम खन्ना, श्रहम नगर, लारंस रोड, अमृतसर,

श्रीमती कमलेश मेहरा पत्नी श्री भजन लाल मेहरा पुत्री श्री अमोलक राम बाम्बे। (अन्तरक)

- श्री सुखदेव सिंह, जसवीर सिंह पुत्र श्री सलवंत सिंह धुलखा, तहसील अमृतसर। श्रीमती हरिजंदर कौर पत्नी श्री हरवंस सिंह उधोनगर।
   (अन्तरिसी)
- 3. ज़ैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदबारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यिव कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान वक किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1472, जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्सा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर।

विनांक 30 जनवरी 1974 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, का कार्यालय, अमृतसर, अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्वेष सं० ASR/AP-621/73-74-यत:, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1373, जुलाई 1973 को लिखा है जो चामरंग रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अय घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री रतन सिंह, मोहन सिंह, हरनाम सिंह पुत्र श्री केहर सिंह और बसंत कोर पत्नी गुलजार सिंह, बखागीण सिंह पुत्र तेजा सिंह पुत्र नारायण सिंह, तुंग पाई। (अन्तरक)
- 2. श्री जागीर सिंह पुत्र श्री बुरत सिंह, गुरबचन सिंह, हरदयाल सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके अधि-भीग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1373, जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में सिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 30 जनवरी 1974। मोहर:∦ प्ररूप आई० ढी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, का कार्यालय, अमृतसर अमृतसर दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० ASR/GSP/AP-622/73-74—यतः, मुझे, डी० एस० गप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ चिप्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2411, जुलाई 1973 में लिखा है जो काहनेवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें और पूर्णरूप सेवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में भारती रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे धारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बलदेव सिंह, करम सिंह सपुद्धान धीरत राम वासी काहनेवाल। (अन्तरक) 2. सर्वेश्री बलदेव सिंह, कशभीर सिंह दर्शन सिंह, तरा सिंह सपुत्रान दीवान सिंह वासी सठियाली।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हैं, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववतीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2411, जुलाई 1973 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

> डी॰ एस॰ गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 30 जनवरी 1974! मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, का कार्यालय, अमृतसर दिनांक 30 जनवरी 1973

क्री० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित करने का कारण है। **बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है औ**र जिसकी जैसा कि रजिस्दीकृत 2529, जुलाई 1973 को लिखा है जो गांव देवीले में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-निखित छहेरय से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यतः भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात्:—

- मर्बश्री कंवर सिंह, स्वर्ण सिंह सुपुन्नान भगवान सिंह वासी गगेवाल। (अन्तर्रेक)
- 2. श्री गुरवचन सिंह सुपुत्र हजारा सिंह बासी गांव ड़ोगर महेग पत्ती बुलपान। (अन्तरिसी)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान वक किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्रेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो भायकर भिक्षित्मम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2529, जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

> डी० एस० **पुप्ता,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्**त** (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 30 जनवरी **1973** मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग का कार्यालय, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक, 30 जनवरी 1974

ASR/GSP/AP निदेश सं० 624/73-74/---यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2609। जुलाई 1973 में लिखा है जो गाँव छोहान में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय गुरदासपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कशित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचित् :—

 श्री करम सिंह, रतन सिंह, चरण सिंह, अलवन्त सिंह सुपुत्रान सुन्दर सिंह वासी छोहान । (अन्तरक)

- 2. श्री बिरसा सिंह सुपुत्र उत्तम सिंह वासी गाँव छोहात । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरूकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति काक्षेप, यदि कोई है, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान बक किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूंचिस किया जाता है कि इस ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2609 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

सारीखा: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज का कार्यालय, अमृतसर

अमृतसर, दिनाँक, 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ASR/GSP/AP-625/73-74/—यत: मुझे डी० एस० गुप्ता

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2248 जुलाई 1973 में लिखा है जो गाँव छिछरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के चित्र बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के प्रनुसार श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के जिए सुकर बनाना,

भौर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री जगत सिंह सुपुत्र गंडा सिंह वासी छिछरा तहुसील गुरदासपुर। (अन्तरेक)
- 2. श्रीमती सर्लावंदर कौर पत्नी चनन सिंह सुपुन मंगल सिंह वासी सतकोहा, तहसील गुरदासपुर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान वक किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2248 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30 **जनव**री 1974 /

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, अमृतसर अमृतसर, दिनौंक, 30 जनवरी 1974

एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2250 जुलाई 1973 में लिखा है । जो गाँव छिछरा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यतः, भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, ग्रब, धारा 269-च के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:--

- श्री जगत सिंह सुपुत्र गंडा सिंह वासी छिछरा। (अन्सरक)
- 2. श्री जगीर सिंह सुपुत्र मंगल सिंह वामी सटकोहा। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पति के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के प्रति भाक्षेप, यवि कोई है, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति ग्रारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान तक किए जाएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा शक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा भागे यह भधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना वी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रथें होगा, जो उस भ्रभ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2250 जुलाई 1973 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक, 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० जालन्धर/ए० पी-627/73-74/---यत : मुझे बी॰ एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है **जौर** जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3382, 3383, 3574, 3576 जुलाई 1973 में लिखा है, जो माङल टाऊन, जालन्घर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973, को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना काहिए था, ष्ठिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपश्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घात्:—

- 1. मेजर परमजीत सिंह पुत्र श्री बाबा सिंह पुत्र श्री क्यून्हेया सिंह, 262 न्यू जवाहर नगर जालन्धर (अन्तरक)
- 2. श्री भगत सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह
- 2. श्रीमती बलवंत कौर पत्नी श्री गुरिवयाल सिंह ।
  3. श्री बुल्ला सिंह पुत्र श्री भगत सिंह, श्रीमती तृप्ता रानी पत्नी भगत सिंह मार्फत स० भगत सिंह कलाथ मरचेंट नूरमहल ।
  (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं ० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किन रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आकोगों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3382, 3383, 3574, 3576 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्छर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख: 30 जनवरी 1974।

मोहरः

प्रस्प आई० टी० एन० एस० ....

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनाँक, 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालन्धर/ए० पी-630/73-74/---यतः

मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी सक सम्पत्ति जैसा कि रजिस ट्रीकृत विलेख नं० 3383 जुलाई 1973 में लिखा है, जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है

जुलाइ 1973 में लिखा है, जो मोडल टाऊन, जॉलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकत अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973.

जुलाई को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल से ऐसे दृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और /या
- (ख) ऐसी किसी आंय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयक्तर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 13—496 GI/73

- 1. मेजर परमजीत सिंह पुत्र श्री बाबा सिंह पुत्र श्री कन्हैया सिंह 262. न्यू जवाहर नगर जालन्धर । । अन्तरक)
- 2. बलवंत कौर पत्नी श्री गुरिवयाल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह मार्फेस स० भगत सिंह, कलाथ मर्चेंट, नूरमहल (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई ध्यक्ति जो सम्पत्ति में कृचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितवढ़ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि के. ई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा -
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है !

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3383 जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

1722

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक, 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालन्धर/ए० पी 631/73-74/--यत : मृक्षो डी० एस० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3382 जुलाई 1973 में लिखा है, जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मेजप परमजीत सिंह पुत्र श्री बाबा सिंह पुत्र श्री कन्हैया
 सिंह 262 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर । (अन्तरक)

श्री भगत सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह पुत्र श्री हरनाम्म.
 सिंह मार्फत स० भगत सिंह कलाथ मर्चेंट, नूरमहल।

(अन्तरिती)

33. जैसा कि नं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए अक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूधना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, , जिसे पूर्वधर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पद्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-कं में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3382 जुलाई । 973 को रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> डीं० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 30 जनवरी 1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक, 30 जनवरी 1974

निर्देश सं० अमृतसर/फगबाड़ा/ए० पी-632/73-74--यत : मुझे छी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम. 1961 (1961 की धारा 269-वर्क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 2**5**000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न ० 885 जूलाई को लिखा है, जो गाँव माधापुर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है' रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. कगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16) के अधीन 1973, जुलाई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

गमा ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उयत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

गया है ----

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों, की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- ाँ श्री ऊद्यो पुत्र श्री वीर भान श्री निम्मो पुक्ष श्री ऊद्यो वासी माधोपुर। (अन्तरक)
- श्री रतन सिंह पुत्र श्री महा सिंह और तारा सिंह विकर सिंह पुत्र अर्जन सिंह वासी वनमाली पुर तहसील कपूरथला।
   (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह स्यक्ति जिसके अधिभोग में अघोहस्ताक्षरी आनता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया आता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्छीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 885 जुलाई 1973 : को रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमतसर।)

तारीखा:30 जनवरी 1974

## प्रस्प आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

**सारीख 30 जनवरी 1974** 

निदेश सं० अमृतसर/नवौंशहर/एपी-641/73-74---यतः, मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी भो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की मं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1951 जुलाई 1973 लिखा है जो नवाँशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवाँगहर दोआवा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

आंर अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्माय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-शही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिसिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्री कर्मसिंह पुत्र स० वतन सिंह वासी भीन, मुस्तार राम सहाय पुत्र श्री शंकर माहेब नवाँगहर (अन्तर्क)
- (2) श्री जीऊन सिंह पुत्र खोम सिंह नवौशहर श्री रतन सिंह पुत्र श्री खोम सिंह, स्वर्ण कान्ता, विमेल काँता सुषमा कान्ता पुतियां केशव चन्द्र नवांशहर मार्फत थियेटर नवांशहर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में धिच रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस 'स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यिव कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

धरतो जैसा कि रजिस्ट्रोक्टत विलेख न० 1951 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवाँशहर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस० भायकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना भारत मरकार

> कार्यालय महायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज. अमृतसर

ग्रम्ससर, दिनांक. 30 जनवरी 1974

निर्देश स० अमृतसर/जालन्धर/ए० पी-634/73-74---यत : डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जंसा कि रजिस्ट्रीकृत त्रिलेख नं० 3578 जुलाई 1973 में लिखा है जो माङल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुभुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर, में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐस दुम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि भन्तरक (ग्रन्तरकों) और श्रन्तरिनी (श्रन्तरितियों) के बीच तय गाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत प्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर श्रिधिनयम 1961 (1961 ता 43) या धन-कर श्रिधिनयम 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

भौर यतः भ्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के भव्दों में पूर्वेक्ति सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः शव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधि-निभम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---

- श्री चमन लाल, मुन्दर लाल सपुत्रान लढ़ा राम सपुत्र बनवारी दाम बस्ती गेंख, जालन्धर । (अन्तरक)
- मेजर परमजीत सिंह सपुत्र बाबा सिंह सपुत्र कन्हैया
   मेसह 262 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर । (अन्तरिती)
- 2. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45, दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिल में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजंन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षपों, यदि कोई हा, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान नियत किए जाएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षंप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा भ्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यवित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। भाक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा

स्पद्धीकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है

#### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3578 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ही० एस० गुप्ता. सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, अमृतसर ।

दारीख: 30 जनवरी 1974

प्रकृप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 30 जनवरी 1974

निर्देण सं० अमृतसर/जालन्धर/ए० पी-635/73-74/---यत : मुझे डी० एस० गुप्ता सहायक आयकर आयक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4116 जुलाई 1973 में लिखा है जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देंगे के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर धनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपघारा (1) के मजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री किदार नाथ सपुत्र वरयाम दास सपुत्र दीवात च्रत्व
   अत्रारक)
- 2. श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी जोगिन्द्र सिंह संपुत्त हरनाम आस जालन्धर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं ० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4116 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्सा, सक्षम प्राधिकारी, महायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज, अमृतसर।

तारी**ख**: 30 जनवरी 1974

मो**इ**रः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं ० ए ० एस ० आ र ० / जालन्छ र / ए ० पी - 636 / 73 - 74 ---यतः, मुझे, डी०एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षमप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3251 जुलाई 1973 में लिखा है। जो जी० टी० रोड़, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में याग्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर आध-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये है।

अतः अव, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः—

(1) ओम प्रकाश महिन्द्रा सपुत्र कन्हैया लाल सपुत्र दौलत राम रिटायडं XEN (सीपी डड्स्यू डी) वासी ए-1/65 सफदर र्गम इत्तरिक, लड्डे दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्री तिलक राज, प्रेम चन्द सपुत्रान बाबू लाल वासी डब्ल्यू० जी० 361 मोहल्ला सूरज गंज, जालन्घर । (अन्तरिति)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षंप. यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्यक्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3251 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> द्री० एस० गुप्ता, सज्जम प्रधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख 30 जनगरो 1974 मोहर: प्रकथ आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ-(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज अमृतसर कार्यालय नारीख 30 जनवरी 1974

निर्देश सं०ए०एम०आर०/नवांशहर//एपी-637/73-74—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयक्र अधिनियम, 1961 (196) का 43) की धारा 269 खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- कर से अधिक है और जिस की सं० भूमि जैसा कि रिजिंग्ट्रीकृत विलेख नं० 1730 जुलाई 1973 में लिखा है जो गांव राहों में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्री-फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही णुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री चनन सिंह, रतन सिंह सपुत्रान भाग सिंह गांव राहों (अन्तरक)
  - (2) संत राम सपुत्र स्वता राम, राह्वों। (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिक्सोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

े उवत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों. यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतध्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1730 जुलाई 1973 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सज्जम प्रधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

📭 प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं०ए ०एस० आर० /नवांशहर/एपी-638/73-74-पत:, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू०से अधिक है और जिसकी सं धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1580 जुलाई 1973 को लिखा है जो गांव राहों में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर दोआवा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12 जुलाई 1973 को पूर्थीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी भिसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) प्यारा सिंह, सौदागर सिंह गांव राहों (अन्तरक)
- (2) अवतार सिंह पुत्र दिलवाग सिंह गांव राहों। (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मृचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है।।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई हैं, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होना।

स्पब्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती राहों में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1580 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी नवांहणहर दोआवा में लिखा है।

> डी० एस० नृष्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

मोहर:

14-496GI/73

प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भाग्त संग्कार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० अमृतसर /नवांशहर/एपी-639/73-74--यतः, मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/-२० से अधिक है और जिस की सं• धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1581 जुलाई 1973 को लिखा है जो गांव राहों में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकत अधिकारी के कार्यालय नवांशहर दोआवा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री हत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही णुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:—

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) कुसम कान्ता संतोष कुमारी मार्फत मुख्तारेआम्ध्र-देव राज मल्होत्ना वामी राहों (अन्तरक)
- ं 🔻 (2) श्री लाल सिंह पुत्न केशर सिंह वासी राहों। (अन्तरिती)
  - (3) जैसा कि नं० 2 पर हैं (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है )।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अमित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) के नध्याय 20-क के समापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती नांव राहों में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1581 जुलाई 1973 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर दोआवा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारी**ख** 30 जनवरी 1974 मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 30 जनवरी 1974

निवेश सं० अमृतसर/नवाँशहर/एपी-640/73-74---यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1640 जुलाई 1973 लिखा है जो गाँव शाहपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय नवाँशहर दोआवा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री लाल सिंह पुत्र फोलो वासी मोखपुर वाग (अन्तरक)
- (2) मोहन सिंह पुत्र देव राज गाँव दयालपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वड्ड सम्पत्ति में हितवद हैं)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती गाँव शाहपुर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1640 जुसाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवाँशहर दोआया में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतस**र**

तारीख 30 जनवरी 1974 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का, 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय अमृतसर तारीख 30 जनवरी 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/नवौंशहर/एपी-643/73-74-यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-हमए से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० जुलाई 1973 लिखा है, जो गाँव सालमपुर में स्थित है (और) इससे उपावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवाँ शहर दोआवा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के ग्रब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री तरसेम लाल पुत्र लाहौरी राम गाँव आपरा अब सालमपुर में (अन्तरक)
- (2) मौहिन्द्र कौर पुत्नी श्री हजारा सिंह धमोट **सु**र्द 800/ 803 हिस्सा पाहौरी लाल पुत्न राजा राम 3/803 हिस्सा, आपरा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूधना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के 'अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

धरती 40 कनाल 3 मरले गाँव सालमपुर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1932 जुलाई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवाँग्रहर दोआवा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख 30 जनवरी 1974 अर्जन रेंज अमृतसर मोहर

# संघ लोक सेवा आयोग विज्ञापन संख्या 11

निम्न्नलिखित पद्यों के लिए आवेदन-पत्न आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किम्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पर्दो को छोडकर जिनके संबंध में ऐसी छुट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है । ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा वर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा की निया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ बर्गों की 45 वर्ष की आयु तक छट दी जा सकती है अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़ कर अन्य लोगों को फिसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छुट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी । अन्य दृष्टियों से मुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है । केवल उन पदों को छोडकर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशोषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्न और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, गाहजहां रोड़, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपन्न के लिए अनुरोध करने समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23 × 10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफ़ाफ़ा भेजन। चाहिए। लिफ़ाफ़े पर उम पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्न मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तुत: विस्थापित तथा 1 जुन, 1963 और 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद कमश : बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का गल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्यंतः । निर्धन हों । प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्न भेजना चाहिए । विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्न न मिलने पर सादे कागण पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में गुल्क जमा कर सकते हैं । अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा । ६० ८.०० (अनु-मुचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए १० 2.00) के रेखांकित किए हुए **मारतीय पोस्टल आर्ड**र सहित आवेदन-पत्न स्वीकार करने की अंतिम तारीख 15 अप्रैल, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समृह तथा नक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 29 अप्रैल, 1974) है। खजाना रमीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कम-संख्या 1 के कुछ पद तथा कम-संख्या 12 का पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। कम-संख्या 1 के कुछ पद तथा कम-संख्या 4 का पद अस्थायी है किन्तु उन :ायी कर दिए जाने की सम्भावना है। कम-संख्या 5, 6, 7,9,10 तथा 11 के पद अस्थायी है किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है । कम-संख्या 2 तथा 3 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके चलते रहने की सम्भावना है । कम-संख्या 8 का पद अस्थायी है ।

क्रम-संख्या 1 के छह पव अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। क्रम-संख्या 1 के तीन पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

1. छब्बीस मूल्य निरूपक (appraisers) (क) वो मोटर वाहन विशेषज्ञ; (ख) एक आभूषण विशेषज्ञ, (ग) एक धातु-विज्ञान विशेषज्ञ; (घ) तीन वस्त्र विशेषज्ञ; (छ) चार भेषज्ञ तथा औषध मिर्माण विशेषज्ञ; (च) तीन मशीनरी विशेषज्ञ (वंद्युत्); (छ) सात मशीनरी विशेषज्ञ (यांत्रिक); (ज) तीन लेखा विशेषज्ञ; (झ) एक रंग सामग्री विशेषज्ञ तथा (ज) एक तेल तथा रंग लेप विशेषज्ञ; सीमाशुल्क विभाग, वित्त मंत्रालय (राजस्य तथा बीमा विभाग)। वेतन :— क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आग सीमा रंग-35 वर्षः।

द० रो०-40-1200 । **आयु सीमा** : :---25 वर्ष । योग्यताएं: अनिवार्य:--(क) बाले पद्दों के लिए:--किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय से आटोमोबील और/या यांत्रिक इंजीनियर में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यताएं, अथवा किसीमान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री तथा साथ में संबद्ध क्षेत्र या कारखाने में पर्याप्त व्यावहारिक अनुभव महित किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से आटोमोबील या गांत्रिक इंजीनियरी में डिप्लोम (खा) बाले पवों के लिए:--किसी मन्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री साथ-साथ में रत्नों एवं उपरत्नों, नए-पराने आभूपणों, कीमती धातुओं तथा घडियों का विशेष ज्ञान । (ग) वाले पवों के लिए :--- किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातु विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यताएं तथा साथ में किसी विख्यात एवं प्रतिष्ठित फर्म में धातु-विज्ञानी की हैसियत से लगभग दो वर्ष का अनुभव । (घ) वाले पदों के लिए:---किसी मान्यताप्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से टेक्सटाइल में डिप्लोमा या डिग्नी तथा साथ में किसी विख्यात एवं प्रतिष्ठित वाणिज्य फ़र्म में वस्त्र विशेषज्ञ की हैसियत से लगभग दो वर्ष का अनभव । (इ.) वाले पदों के लिए:--रसायन विज्ञान में ब्रितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष "आनर्स" डिग्री अथवा औसध निर्माण शास्त्र या भेषज रसायन विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की "बेचलर" डिग्री । (च) वाले पतों के लिए:—किसी मान्यताप्राप्त विष्वविद्यालय से वैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यताएं तथा साथ में संबद्ध क्षेत्र में कुछ व्यावहारिक अनुभव । (छ) **वाले पर्वो** के लिए :—किसी मान्यताप्राप्त विष्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यताएं तथा साथ में संबद्ध क्षेत्र में कुछ व्यावहारिक अनुभव । (ज) बाले पदों के लिए: -- लेखा योग्यता जैसे चार्टर्ड लेखाकार या लागत एवं कार्य लेखाकार जो वरीयत: किसी सरकारी कार्यालय या प्रतिष्ठित व्यापारिक प्रतिष्ठान में कुछ अनुभव के साथ हो, अथवा एम० (काम) (लेखा तथा लेखा परीक्षा में विशेष प्रवीणता के साथ) तथा साथ में किसी सरकारी कार्यालय या विख्यात व्यापारिक प्रतिष्ठान में कम से कम 3 वर्ष का अनुभव (म) वाले पदों के लिए:--किसी मान्यताप्राप्त विश्व-

विद्यालय से बी॰ एस॰ सी॰ (टेक्प॰) (रंग सामग्री तथा मध्य-पदार्थ) डिग्री तथा साथ में किसी रंग साजी कारखाने में या टेक्स-टाइल मिल के रंगाई विभाग में एक या दो वर्ष का अनुभव (ङा) तेल तथा रंग के विशेष विषय के साथ कार्बनिक रसायन विज्ञान में एम॰ एस-सी॰ डिग्री।

- 2. एक संयुक्त आयुक्त, कृषि मंत्रालय (खाद्य धिभाग)। केतन :— कृष 1600-100-1800। आयु-सीमा: 50 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्ष: (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान या प्राणिविज्ञान (कीटविज्ञान सहित) या वनस्पति-विज्ञान या जीव-रसायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) बृहत् वैज्ञानिक भंडार और खाद्यान्नों के परिरक्षण की प्रविधियों में लगभग 10 वर्ष का अनुभव। (iii) खाद्याप्तों के वर्गीकरण और श्रेणीकरण, उनके नमुने लेने और विश्लेषण का ज्ञान।
- 3. एक उपायुक्त, कृषि मंद्रालय (खाद्य विभाग): वेतन: कृष 1300-60-1600। आयु-सीमा:—45 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान या प्राणिविज्ञान (कीटविज्ञान सिंहत) या जीव-रसायन विज्ञान या वनस्पतिविज्ञान में "मास्टर" डिग्नी अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) बृहत् वैज्ञानिक भंडार और खाद्याकों के परिरक्षण की प्रविधियों में लगभग 7 वर्ष का अनुभव। (iii) खाद्याकों के वर्गीकरण, श्रेणीकरण, नमूना लेने और विश्लेषण का पर्याप्त ज्ञान।
- 4. एक आसार्य (अपराध विज्ञान), अपराध विज्ञान और विधि चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई विल्ली गृह मंत्रालय। वेतन :— क् 1100-50-1300-60-1600। आयु सीमा :— 45 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:— (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय मे अपराध विज्ञान या समाज शास्त्र में 'डाक्टरेट' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ाने का लगभग 10 वर्ष का अनुभव जिसमें लगभग 5 वर्ष का अनुभव अनुसंधान निदेशन का हो।
- 5. सस्यविज्ञान का एक आख्याता, प्रसार शिक्षा संस्थान, निलोखेड़ी, कृषि मंद्रास्य, कृषि विभाग । वेतनः क० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो० 35-950 । आयु सीमाः— 35 वर्ष । योग्यताएं: अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मस्यविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) स्नातक स्तर पर सस्य संबंधी अनुसंधान संचालन या सस्यविज्ञान अध्यापन में लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।
- 6. छः वैज्ञानिक अधिकारी, राष्ट्रीय एटलस संगठन, विज्ञान, और प्रौद्योगिकी विभाग । बेतम :—कः० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यसाएं : असिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भूगोल या भूविज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) अनुसंधान /अध्यापन का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जिसमें से किसी सुप्रतिष्ठित अनुसंधान या अध्यापन या वैज्ञानिक या सरकारी मान चित्र निर्माण संगठन में आंकड़ा

प्रसाधन और√या मानचित्र नैयार करने का कम में कम एक **वर्ष** का अनुभव हो ।

- 7. एक रेडियो मेंकेनिक, कृषि विमानम निदेशालय, कृषि मंत्रालय। वेतम :— कि 325-15-475-द रो०-20-575। आयु-सीमा:— 30 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:— (i) किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से रेडियो इंजीनियरी (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में डिप्लोमा अथवा मैंट्रिकुलेशन (विज्ञान विषय सहित) तथा सा में वायु सेना, नौसेना या सिविल विमानन में रेडियो मैंकेनिक का निर्धारित पाठ्यक्रम। (ii) वायुवाहित रेडियो और दिक्चालन उपस्कर की सर्विसिंग, मरम्मत और पुनर्नवन (Overhauling) का लगभग 5 वर्ष का अन्भव।
- 8. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (धातु विज्ञान), योजना आयोग, नई विल्ली। वेतन :--- ह० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा : 35 वर्ष : योग्यताएं : अनिवार्य :--- (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातु इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) धातु कार्मिक संयत्नों अथवा संस्थापनों का लगभग पांच वर्ष का अनुभव।
- 9. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड I, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :— रू० 700-50-1250 । आयु :— वरीयत : 40 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से थातिक/वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) प्रणोदन के क्षेत्र में वैमानिक अनुसंधान तथा विकास का लगभग 4 वर्ष का अनुभव ।
- 10. एक प्रधान अस्पताल औषध-निर्माण विज्ञानी, मौलाना आजाद मेडिकल कालेज तथा संबद्ध इविन और गोबिष्य बल्लभ पंत अस्पताल, नई विल्ली, विस्ली प्रशासन । वेतन क० 450-25-600-30-900 । आयु-सीमा :— 30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औषध-निर्माण-विज्ञान, भेषज रसायन विज्ञान या कार्वनिक रसायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) औषधों के अनुसंधान, परीक्षण तथा मानकीकरण/निर्माण का लगभग तीन वर्ष का अनुभव ।
- 11. एक मुख्य विश्लेषक, मौलाना आजाव मेडिकल तथा संबक्ष इविन और गोबिन्द बल्लम पंत अस्पताल, नई विल्ली, दिल्ली प्रशासन । वेतन:—रू० 450-25-600-30-900। आयु-सीमाः—30 वर्ष । योग्यताएं: अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औषधिनिर्माण, भेषज रसायन विज्ञान या कार्बनिक रमायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योज्यता (ii) औषधों के निर्धारण (Assay) मानकीकरण तथा निर्माण का लगभग तीन वर्ष का अनुभव ।
- 12. एक जीव सांख्यिकीविद् गोआ मेडिकल कालेज, गोआ वमन तथा वियु सरकार।वेतन:—530-30-650। आयु-सीमाः—30 वर्ष । योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित/अर्थणास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी

विषय के साथ) में एम० ए० या एम० एस० सी० अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) जीववैज्ञानिक तथा नैदानिक आँकड़ों के संग्रह, संकलन तथा विक्लेषण का लगभग दो वर्ष का अनुभव ।

# शुद्धि पत्न

एक उप निदेशक (शक्कर नियंत्रण), शक्कर तथा वनस्पति निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग)। सन्दर्भ :—दिनांक 22-12-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 51 की मद संख्या 111 सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिमूचित

किया जाता है कि भरकारी कर्मचारियों को आयु में छूट नहीं, दी जाएगी जो आवेदक सरकारी कर्मचारी हैं और 50 वर्ष में अधिक आयु के हैं उनके द्वारा अदा किया गया शुक्क यथा विधि नौटा दिया जाएगा।

अशोक चन्द्र बन्द्योपाध्याय,

सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th January 1974

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri G. M. Kshatriya, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 65 days from the 26th December, 1973 to 28th February 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/73-Admn,III.—In continuation of this Office Notification of even number dated the 15th December, 1973, the president is pleased to appoint Shri G. K. Samanta a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 66 days from the 25th December, 1973 to 28th February, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 71 days from the 20th December, 1973 to 28th February, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

# The 17th January 1974

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 55 days from the 24th December, 1973 to the 16th February, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dated the 12th December, 1974, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 57 days from the 3rd January 1974 to 28th February 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Datta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 56 days from the 4th January 1974 to the 28th February 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dated the 15th January 1974, the President is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 40 days from the 20th January 1974 to 28th February 1974 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT

Under Secretary,

(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

# CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 16th February 1974

No. 2/4/74-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kasturi Lal, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 8th February, 1974, until further orders.

# The 18th February 1974

No. 2/23/72-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri G. R. Kanal, an Executive Engineer of Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commistion. New Delhi, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 25th January, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE

Under Secretary (Admn.)

for Central Vigilance Commissioner

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS

# CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi, the 13th February 1974

No. 7-4/73-Admn.—Shri S. Hasan, Translation Officer, is hereby appointed to officiate as Assistant Director in the Central Translation Bureau with effect from 13th February, 1974 forenoon. This appointment is on purely temporary and ad hoc basis.

# The 14th February 1974

No. 3-1/74-Admn.—Shri O. P. Verma, Assistant Director in the Central Translation Bureau is confirmed

as Translation Officer in the Bureau with effect from the 15th February, 1973 (forenoon).

# The 23rd February 1974

No. F. 8(3)1/72-Admn.—Shri Om Parkash, a permanent Grade IV officer of the Central Secretariat Service (Assistant) borne on the cadre of the Department of Agriculture, is appointed to officiate as Administrative Officer in the Central Translation Burcau (Ministry of Home Affairs) with effect from the 13th February, 1974 (F.N.) until further orders.

G. K. MISHRA Director

# MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 9th February 1974

No. 5196/A.—In modification of this office Notification No. 4240/(A) dated the 20th November, 1973, the undersigned is pleased to appoint Shri I. S. Paul (Ex. Captain of Indian Army and formerly officiating Junior Supervisor, India Security Press) as officiating Security Officer (Class II) in India Security Press, Nasik Road, in the scale of Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 with effect from 1st January 1972, until further orders.

# The 12th February 1974

No. 5233/A.—Shri G. D. Pol, Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik Road, appointed on ad-hoc basis initially for one year with effect from 12-7-1972 and extended upto 31st December 1973 vide notification No. 2635/A of 13th September 1973, will continue as such on the same terms and conditions upto 31st May 1974, or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier,

# The 14th February 1974

No. 5274/A.—Shri R. N. Advani, Deputy Control Officer, Currency Note Press, Nasik Road, appointed on ad-hoc basis initially for one year with effect from 11th December 71 and extended upto 31st December 1973 vide Notification No. 4252/(A) of 20th November 1973 will continue as such on the same terms and conditions upto 30th June 1974 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI General Manager, India Security Press.

# DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 28th December 1973

No. 2//63/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. P. Singh, Accountant, Television Centre, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, Research Department, All India Radio, New Delhi with effect from 17-12-1973 (F.N.).

No. 2/50/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. Sankarasubban, Accountant, All India Radio, Tirunelveli to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Calicut with effect from 12-12-1973 (F.N.).

No. 2/40/60-SIJ.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Kamesh Prasad, Accountant, News Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Offiler, Radio Kashmir, Jammu with effect from  $10-12\mu J_3$  (F.N.).

I. S. PANDHI Section Officer, for Director General

# New Delhi, the 4th February 1974

No. A-12026/1/73-SV.—Shri S. L. Bharadvaj, Administrative Officer, who was appointed to officiate as Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio on ad-hoc basis for a period of three months with effect from the 15th November, 1973 vide this Directorate Notification No. A-12026/1/73-SV dated the 30th November, 1973, is continued by the Directorate General in the same capacity for a further period of three months i.e. upto 14th May, 1974 or till the time the revised recruitment rules are finalised, whichever be earlier.

N. K. BHARDWAJ

Deputy Director of Admiristration

for Director General

# New Delhi, the 26th February 1974

No. 12/9(i)/73-Vig.—The Director General, All India Radio, appoints Shri Ram Dhani Ram, formerly Senior Seed Production Assistant, in the National Seeds Corporation Ltd., Bareilly (U.P.) as Farm Radio Officer at All India Radio, Varanasi in a temporary capacity with effect from 1st February, 1974, until further orders.

HARJIT SINGH
Deputy Director Administration,
for Director General

# (CIVIL CONSTRUCTION WING) New Delhi-1, the 12th February 1974

No. A-35017/1/73-CWI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. R. Gupta, an Asstt. Engineer (Civil) in the Central Public Works Department as P.A. to Superintending Engineer in the scale of Rs. 425—900 (Pre-Revised) in the Circle Office at Calcutta, with effect from 31-12-73 (F.N.) on deputation for a period of one year in the first instance.

P. A. SOLOMON Engineer Officer to C.E. (Civil) for Director General

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 12th February 1974

No. MAPP/1(160)/69-Adm.—The following officers holding the posts of Assistant Administrative Officer in temporary capacity in Madras Atomic Power Project have been redesignated as Assistant Personnel Officers with effect from the forenoon of November 21, 1973:—

- 1. Shri N. V. Ramanan.
- 2. Shri T. S. Venkatraman.
- 3. Shri M. D. Raghavan,

K. BALAKRISHNAN Administrative Officer for Deputy Director OFECE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ASHRAM ROAD, HANDLOOM HOUSE. AHMEDABAD-380009

## **CORRIGENDUM**

In the notice under Section 269 D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) dated 10-9-1973 published on pages 4158 and on 4170 of Part-III Section 1 of Gazette of India dated 22-9-1973 read—

"(2) Veenaben Indravadan Zaveri Sultanpura, Baroda, (Transferee)."

in place of

"(2) Veenabey Indravadan Zaveri Sultanpura, Baroda, (Transferee)."

on page No. 4158, and read-

"(1) Shri Hasmukhlal Dhanjibhai Zaveri Sultanpura, Baroda. (Transferor)" in place of

"(1) Shri Hasmukhlal Dhanjibhai Zaveri Sultanpura, Baroda (Transferor)"

on page No. 4170,

Further (on pages Nos. 4158 and 4170) in place of words and figures "S. Nos. 32, 33.......Baroda". in the Schedule annexed to the said notice in the above mentioned Gazette. read the following—

"Property Survey Nos. 32 Paiki, 33, 124, 125 and 126 Tika No. 3-1 situated at Dajibhai Shukla Pole, Sultanpura, Baroda. Area—196 Sq. yds. as mentioned in the registered dccd No. 1030 of March, 1973 of the Registering Officer, Baroda."

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shiva Lal Agarwal & Company (P) Ltd

Kanpur, the 14th February 1974

No. 1356/1113-L.C—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shiva Lal Agarwal & Co. (P) Ltd., unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Trivedi Typewriter Corporation Private Limited

Kanpur, the 14th February 1974

No. 1359/1851-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Trivedi Typewrite Corporation Private Limited, unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. BASU Registrar of Companies, U. P., Kanpur In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bihar Bonded Warehouse Private Limited

Patna, the 11th February 1974

No. 8(832)73-74/9058.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Bonded Warehouse Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies, Bihar

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shree Electricals Pvt. Limited

Delhi, the 25th February 1974

No. 5877/480/2348.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Shree Electricals Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

R. K. JAIN

Asstt, Registrar of Companies

Delhi & Haryana

# NOTICE

Ernakulam, the 19th February 1974

No. 226/Liq./2898/74.—Whereas The Central Trust Limited (In Liquidation) having its registered office at Pazhavangadi, Trivandrum is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting, and that Statement of Accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Central Trust Limited (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the Register and the company will be dissolved.

K. K. SYED MUHAMMAD Kerala, Ernakulam Registrar of Companies,

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-709/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3456 of July, 1973, situated at Bye Pass Road, Near V. Reru.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Jullundur in July 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the 'ransferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated n the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (L) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid p operty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Shri Gopal Singh Shri Hira Singh V. Gurre Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh s/o Shri Suhal Singh V. & P.O. Kala Bahia Teh, Jullundur.

  (Transferee)
- (3) Shri Sadhu Singh s/o Shri Suhal Singh V. & P.O. Kala Bahia Teh. Jullundur. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I and as mentioned in the Registered Deed No. 3456 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsac.

Date: 31-1-1974.

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE. 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-715/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3476 of July, 1973. situated at Bye Pass, Jullundur.

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Juliundur in July 1973,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Shri Gopal Singh s/o Shri Hari Singh, V. Gurre Teh. Nakodar.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Ja. want Kaur w/o Shri Ram Singh, NB 56
  Basti Bhurre Khan, Jullundur City, Smt. Jatinder
  Kaur w/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Ram Singh,
  NB 53 Basti Bhurre Khan, Jullundur, Smt. Prltam
  Kaur w/o Shri Mohinder Singh s/o Shri Ram Singh,
  NB 54 Basti Bhurre Khan, Jullundur.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property Aerson(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3476 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsor.

Date: 31-1-1974,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-710/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of

1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3408 of July, 1973, situated at Garden Colony, Jullundur. (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1973, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction the evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely: ---

(1) Shri Thakar Singh s/o Shri Hari Singh s/o Shri Sahih Singh, Gard**e**n Colony, Kingra Tch. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Santokh Singh s/o Shri Sohan Singh s/o Shri Bhulla Singh Smt. Jaswant Kaur D/o Shri Sohan Singh s/o Shri Bhulla Singh Sbri Bhupinder Singh s/o Shri Umrao Singh s/o Shri Thakar Singh of Garden Colony, Jullundur. (Transferee)
- (3) Shri Santokh Singh s/o Shri Sohan Singh s/o Shri Bhulla Singh Smt. Jaswant Kaur D/o Shri Sohan Singh s/o Shri Bhulla Singh Shri Bhupinder Singh s/o Shri Umrao Singh s/o Shri Thakar Singh of Garden Colony, Jullundur. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any per on interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of objections,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3408 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliundur,

D. S. GUPTA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-714/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3458 of July 1973, situated at Bye Pass, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclopsed by the transfe ee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Alt, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh s/o Shri Gopal Singh R/o V. Guray Teh. Nakodar,

(2) Smt. Kaushalva Devi w/o Shri Tarsem Lal s/o Shri Kushi Ram, Mohalla Tandana, Nakodar c/o Shri Ujagar Singh, Phatian Wala, Sodal Road, Jullundur. Jullundur.
Transferee

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any perion interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the Objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

# THE SCHEDULE

l and as mentioned in the Registered Deed No. 3458 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-1-1974.

Seal:

(Transferor)

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-708/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent

authouty under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. I and as mentioned in the Registered Deed No. 4065 of July. 1973 situated at Basti Bawa Khel, Jullundur.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbax Singh s/o Shri Lal Singh self & Gen. Attorney for Smt. Harbans Kaur w/o Shri Gurbax Singh, Smt. Rai Kanwar w/o Col. Swarnjit Singh, Smt. Kanwar & Col. Swarnjit Singh s/o Shri Gurbax Singh Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s Doaba Builders (P) Ltd. through Shri Sham Kumar Bhardwaj, Managing Director & Shri Muth Raj Datt s/o Shri Karta Ram Mohalla Shiv Nagar. Jullundur, Shri Sant Ram Duggal s/o Shri Raghu Nath Dass Duggal, Sushil Kumar Duggal, Romesh Kumar Duggal s/o Shri Sant Ram Duggal, 128/3 Central Town, Jullundur.

(Transferee)

- (3) M/s Doabva Builders (P) Ltd. through Shri Sham Kumar Bhardwaj, Managing Director & Shri Mulkh Raj Datt s/o Shri Karta Ram Mohalla Shiv Nagar, Jullundur Shri Sant Ram Duggal s/o Shri Raghu Nath Das Duggal, Sushil Kumar Duggal, Romesh Kumar Duggal s/o Shri Sant Ram Duggal, 128/3 Central Town, Jullundur. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Persons whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferec of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4065 of July. 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-716/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3477 of July, 1973. situated at Bye Pass, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh s/o Shri Gopal Singh s/o Shri Hari Singh, V. Gurre Teh. Nakodar.

(Transfero.

(2) Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Ram Singh, NB 56 Basti Bhurre Khan, Jullundur City, Smt. Jatinder Kaur w/o Shri Rajinder Singh s/o Sh i Ram Singh, NB 53 Basti Bhur e Khan, Jullundur, Smt. Pritam Kaur w/o Shri Mohinder Singh s/o Shri Ram Singh, NB 54 Basti Bhurre Khan, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby notified that a date and place for hearing notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are diffined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3477 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-1-1974.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-717/73-74,—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 4126 of July, 1973, situated at V. Reru (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at fullundur in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee() has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice undersub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Ishar Singh s/o Shri Da'ta R/o Reru.

(Transferor)

- (2) Sh i Waisakha Singh s/o Shri Daljit Singh s/o Shri Rattan Singh R/o Sangh Dhesian Teb. Phillaur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

  Shri Rattan Singh R/o Sangh Dhesian Teh. Phillaur.

  [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4126 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-1-1974.

Seal

FORM ITNS.....

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-718/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing Shops as mentioned in the Registered Deed No. 3607 of July, 1973, situated at Nakodar Road, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1973,

for an apparent conside-

ration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1061 (43 of 1961) to the following persons namely:—
16—496GI/73

- (1) Shri Ganga Singh s/o Shri Natha Singh, Nakodar Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh, Lal Singh \$s/o Shri Ganga Singh Nakodar Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shops as mentioned in the Registered Deed No. 3607 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-719/73-74.—Whereas I, D. S. Gunta,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3318 of July. 1973, situated at V. Jamsher

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1973,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proceeding by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gian Singh s/o Shri Bhulla Singh R/o Jamsher Gen. Attorney for Smt. Amar Kaur Wd/o Shri Bhullash s/o Shri Chanan & Smt. Balbir Kaur, Glan Kaur Ds/o Shri Bhulla Singh of Jamsher. (Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh Mohan Singh, Joginder Singh Ss/Q Shri Bhulla Singh & Smt. Baldev Kaur w/o Shri Gian Singh, Surjit Kaur w/o, Shri Mohinder Singh of V. Jamsher.
  (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3318 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur,

D. S. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31-1-1974,

FORM ITNS \_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-720/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop as mentioned in the Registered Dccd No. 3606 of July, 1973. situated at G. T. Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullunder in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such

transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Ganga Singh s/o Shri Natha Singh Nakodar Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh Lal Singh S/o Shri Ganga Singh Nakodar Road, Jullundur.

  (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registered Deed No. 3606 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition
Range, Amritsar.

Date: 31-1-1974.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAK

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Phl/AP-721/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta,

the Competent Authority under Section 269B

of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs. 25,000/- and bearing market value exceeding

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1648 of July, 1973, situated at V Atta.

(and more fully described in the Schedule annexed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the offerencial property and I have recent to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Smt. Bhagwanti Wd/o Shri Ragunath Singh R.O. Bharapind, through her General Attorney Shri Arvinder Singh Kalsi s/o S. Gian Singh s/o Aviat Bhawan, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Shri Kashmir Singh V. Barapind Teh. Phillaur.

(Transferce)

- (3) Smt. Surinder Kaur w/o Shri Kashmir Singh V. Barapind Teh. Phillaur. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

l and as mentioned in the Registered Deed No. 1648 of July, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-1-1974.

Scal:

# FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

# 3 CHANDERPURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/PHL/AP-722/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta,

being the competent authority under section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason o believe that the immovable property, having a fair market 'alue exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1650 of July, 1973, situated at V. Barapind, and more fully described

n the Schedule annexed hereto), has been transferred as per leed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at
Phillaur in July 1973,
or an apparent consideration which is less than
he fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between he transferor(s) and the transferee(s) has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings or the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I icieby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice inder sub-section (1) of section 269D of the Incomeax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:--

(1) Smt. Bhagwanti Wd/o Shri Ragunath Singh R/o Barapind through her General Attorney Shri Arvinder Singh Kalsi S/o Shri Gian Singh R/o Avtar Bhavan, Miller Ganj, Ludhiana. (Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Shri Kashmir Singh V. Baraping Tch. Phillaur. (Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(1) whom the undersigned knows to be interested in the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1650 of July, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

> D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date: 31-1-1974.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Phl/AP-723/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1649 of July, 1973, situated at V. Atta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Phillaur in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the lncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And wherears the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely;

(1) Smt. Bhagwanti Wd/o Shri Ragunath Singh Rao Barapind, through her General Attorney Shri Arvinder Singh Kalsi s/o Shri Gian Singh R/o Avtar Bhawan, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh 5/0 Shri Balraj Singh 5/0 S. Parkash Singh, Barapind.

(Transferee)

(3) Shri Kashmir Singh s/o Shri Balraj Singh s/o S. Parkath Singh. Barapind. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections. If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1649 of July, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1974

No. ASR/PHL/AP.725/73-74.—Whereas, I. D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1730 of July, 1973, situated at V. Barapind, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phillaur in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I herehy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:— (1) Smt. Bhagwanti W/o Shri Ragunath Singh R/o Barapind through her General Attorney Shri Arvinder Singh Kalsi s/o Shri Gian Singh R/o Avtar Bhagwan, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh s/o Shri Balraj Singh s/o S. Parkash Singh, Barapind.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property, |Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1730 of July, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

> D. S. GUPTA Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range. Amritsar.

Date: 31-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1974

No. ASR/NDR/AP-726/73-74.—Whereas J, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1002 of July, 1973, situated at V. Shanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in July 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Harbans Singh, V. Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferor)

- (2) Shri Pavittar Singh s/o Shri Jasbir Singh V. Shanker, Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1002 of July 1973 of the Registering Authority, Nakodar,

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax, Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 31-1-1974

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

Ref. No. ASR/Phl/AP-724/73-74.—Whereas I. D. S. Gunta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1729 of July. 1973, situated at V. Barapind. (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Phillaur in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferon(s) and the transferoe(s) has to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Smt. Bhagwanti Wd/o Shri Ragunath Singh R/o Barapind. through her General Attorney Arvinder Singh Kalsi. s/o Shri Gian Singh Avtar Bhawan Miller Ganj, Ludhiana. Shri R/o (Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh s/o Shri Balraj Singh s/o S. Parkash Singh, Barapind.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA o fthe Incometax Act, 1961 43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1729 of July 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-1-1974.

Seal:

17-496 GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1974

No. ASR/NDR/AP-727/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1031
of July 1973, situated at V. Shanker.

of July 1973, situated at V. Shanker (and more fully des-

cribed in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely;—

- (1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Harbans Singh V. Shanker, Teh. Nakodar.

  (Transferor)
- (2) Shri Jasbir Singh s/o Shri Chanan Singh V. Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1031 of July 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 31-1-1974

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1974

No. ASR/NDR/AP-728/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1042 of July 1973, situated at V. Shanker, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in July 1973, for an apparent consideration which is less

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Harbans Singh V. Shanker Teh. Nakodar.
   (Transferor)
- (2) Shri Pavittar Singh s/o Shri Jasbir Singh V. Shanker Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days f.om the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Register Deed No. 1042 of July, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

No. ASR/NDR/AP-729/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Regional Deed No. 1032 of July 1973, situated at V. Shanker,

(and more fully described in

1756

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in July 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manjit Kaur w/o Shri Bakhtawar Singh through Shri Bakhtawar Singh V. Shanker Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Shri Rashpal Singh s/o Shri Jasbir Singh V. Shanker Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

  Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1032 of July 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-1-1974

# PART III—SEC. 1]

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 3 CHANDERPURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1974

No. ASR/NDR/AP-730/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1001 of July 1973, situated at V. Shanker,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manjit Kaur w/o Shri Bakhtawar Singh through Shri Bakhtawar Singh V. Shanker, Teh. Nakodar. (Transferor) (2) Shri Rashpel Singh s/o Shri Jasbir Singh V. Shanker Teh. Nakodar.

(Transferee)

1757

- (3) As at S. No. 2 above.

  Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1001 of July 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-1-1974

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

# 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-551/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1070 of July, 1973, situated at V. Allauldinpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-ta<sub>X</sub> Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurnam Singh s/o Shri Maghar Singh R/o Allauldinpur. (Transferor)
- (2) Shri Sohan Singh s/o Naranjan Singh V. Gooray Distt. Jullundur. (Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1070 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range.

Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-552/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 975 of July 1973, situated at Kapurthala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kulwant Kaur D/o Shri Inder Singh R/o Rajpur Khewatdar Kapurthala & Darshan Singh s/o Fauja Singh R/o Bahoi through Attorney Mangal Singh.

  (Transferor)
- (2) Shri Arjan Singh s/o Shri Puran Singh s/o Shri Wasawa Singh R/o Dhowakhey Nishan.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned know, to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 975 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date :: 30-1-1974

of--

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-553/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1169 of July 1973, situated at Allauldinpur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Kapurthala in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjinder Pal Singh s/o Shri Chur Singh V. Allauldinpur Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh, Surinder Singh s/o Bela Singh V. Bhullur Distt, Kapurthala.

(Transferee)

[PART III—SEC. 1

- (3) As at S. No. 2 above.

  [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1169 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax

Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-554/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1198 of July 1973, situated at V. Majorwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kapurthala in July 1973.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:-

(1) Smt. Susheela Dharmi w/o Pdt. Dewan Chand R/o Jammu Hal, Kapurthala, Gen. Attorney Shri Diwan

(Transferor)

(2) Shri Sunder Singh s/o Chut Singh V. Khukrain Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1198 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Scal:

18-496GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE.

# 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-555/73-74.—Whereas I, D. S. Guptabeing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No 1062 of July 1973, situated at Banna Mal Wala

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Nawal Kishore s/o Shri Brij Lal etc. & Attorney of Kanti Parshad R/o Kapurthala.

(Transferor)

- (2) Shri Avtar Singh s/o Beant Singh & Harbans Kaur w/o Shri Beant Singh R/o Niranjan Dial Singh, Karnail Singh, Jarnail Singh SS/o Shri Mohan Singh, Sanjoj jala.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
  |Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1062 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA

Competent Authority.

inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE.

# 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL, AP-556/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1104 of July, 1973, situated at V. Mainwan

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kapurthala in July 1973,

#### for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- 11) Shri Kultar Singh s/o Balkar Singh R/o Mainwan.
  (Transferor)
- (2) Smt. Chinti w/o Faqir s/o Masih r/o Sraikhas.
  (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferes of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the bearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1104 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

156, SECTOR 9-B

Amritsar, the 30th January 1974

No ASR/KPL/AP-557/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/L and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 982 of July 1973, situated at V. Majorwal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Resistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to exceed; the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Darshan Singh s/o Shri Bala Singh R/o Majorwal, Teh. Kapurthala.

(Transferor)

- (2) Shri Harl Singh s/o Shri Jhanda Singh R/o Balasor. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45' days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 982 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-558/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 986 of July 1973, situated at Hamira Distt. Kapurthala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Amtik Singh s/o Shri Faqir Singh s/o Roor Singh R/o Hamira Distt. Kapurthala.

(Transferor)

- (2) Shri Chanan Singh s/o Shri Gurdas Singh R/o Kungniwala Distt. Jullundur through Shri Gurdas Singh. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a light to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in village Hamira as mentioned in the Registered Deed No. 986 of July 1973 of the Registering Authority. Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amiltsur, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-559/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 981 of July 1973, situated at Majorwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

ment of transfer with the object of :---

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Makhan Singh s/o Shri Bela Singh R/o Majorwal.
 (Transferor)

,

Amritsar. (Trausferee)

(2) Shri Harl Singh s/o Shri Jhanda Singh R/o Balasor,

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 981 of July 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-560/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 987 of July 1973, situated at V. Hamira Dist. Kapurthala tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Shri Amrik Singh s/o Shri Faqir Singh R/o Hamira Distt, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Chanan Singh s/o Shri Gurdas Singh R/o Kangniwala Distt. Jullundur through Shri Gurdas Singh.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

it is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in Village Hamira Distt. Kapurt Lala as mentioned in the Registered Doed No. 987 of July 1973 of the Registering Authority. Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-561/73-74.—Whereas I, D.S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 997 of July 1973, situated at V. Adnawali,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in July 1973,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh, Smt. Dayal Kaur, Charan Kaur, Bachan Kaur d/o Shri Chanan Singh R/o Parvej Nagar Distt. Kapurthala.

(Transferor)

Shri Jeet Singh Bhajan Singh s/o Gurbax Singh,
 V. Adana Wali Distt. Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the vaid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 997 of July, 1973 of the Registering Authority Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR** 

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-562/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent, Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1022 of July 1973, situated at V. De al Distt. Kapurthala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kapurthala in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by as altries and exceed the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Kanoor Singh s/o Shri Nanak Singh R/o Desal Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Santokh Singh Pritpal Sinch Ss/o Narain Singh R/o Simbal Badla Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1022 of July, 1973, of the Registering Authority, Kapurthala.

> D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Seal:

19 -9496GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD. AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-563/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 114 of July 1973, situated at Mainwan, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanurthala in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kultar Singh s/o Balkar Singh R/o Mainwan.
  (Transferor)
- (2) Shri Faqir Masih s/o Pulla Ram R/o Srai Khas, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1114 of July, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/SPR/AP-564/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 502 of July 1973, situated at V. Kamalpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration & that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Gurbachan Singh, Uttam Singh, Saroop Singh Datshan Singh SS/o Shri Raja Singh V. Kamalpur. (Transferor)
- (2) Shri Kishan Singh s/o Shri Ghamanda Singh & Jagir Singh, Major Singh, Makhan Singh Jaswant Singh SS/o Shri Kishan Singh V. Sakhan ke Pudda. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice againt the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 502 of July 1973 of the Registering Authority, Sultanpur Lodhi.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3. CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMR.TSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/SPR/AP-565/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. bearing No! Land as mentioned in the Registered Deed No. 503 of July 1973 situated at V. Kamalpur, (and more furly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sultanpur Ladhi in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurbachan Singh, Uttam Singh, Saroop Singh Darshan Singh SS/o Shri Raja Singh, V. Kamalpur. (Transferor)
- (2) Shri Banta Singh s/o Shri Sher Singh, V. Lakhan ke Padde. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.

  ¡Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a da'e and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 503 of July 1973 of the Registering Authority, Sultappur Lodhi,

D. S. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

#### 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KPL/AP-566/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1128 of July 1973, satuated at V. Hamira,

(and more fully described (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a Kapurthala in July 1973,

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (11) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedints for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shangara Singh s/o Bela Singh etc. R/o Hamira. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh s/o Chain Singh R/ Hamira.
  (1ransteree)
- (3) As at S. No. 2 above, Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1128 of July 1973 of the Registered Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

Seal:

..

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/AP-567/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 115/, 1158 & 1159 of July 1973, situated at 27 Lawrance Road, Amritsar,

ad more fully described in the Schedule annexed hereto), has een transfer, ed as per deed registe ed under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :--

(1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Saudagar Singh Lawrance Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal s/o Shri Guli Ram, Shri Raj Kumar s/o Shri Chaman Lal, Smt. Suman Bhatia w/o Shri Raj Kumar, Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a da'e and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed Nos. 1157, 1158 & 1159 of July 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

> D. S. GUPTA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACOURSTON RANGE 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/AP-568/73-74,—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable proproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1159 of July 1973, situated at 27. Lawrance Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Saudagar Singh 27 Lawrance Road, Amritsar.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Suman Bhatia w/o Shri Raj Kumar Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any nerson interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1159 of July 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

> D S GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seai:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/AP-569/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and brating No Property as mentioned in the Registered Deed No. 1158 of u v 19/3 sturt d at 27 Lawrance Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule antexed hirclo) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration between the transferor(s) and the transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in nursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is no of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Saudagar Singh 27 Lawrance Road, Amritsar.

  (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar s/o Shri Chaman Lal Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding narrounds shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1158 of July 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/AP-570/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1157 of July 1973, situated at 27, Lawrance Road, Amritsar, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Amritsar in July 1973,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

20—496GI/73

- Shri Harcharan Singh s/o Shri Saudagar Singh 27, Lawrance Road, Amritsar.
   (Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal s/o Shri Guli Ram, Lawrance Road, Amritsas.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1157 of July 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seal;

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

3 CHANDERPURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/BTI /AP-571/73-74.--Whereas I, D. S. Gupta. being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2510

of July 1973, situated at Batala Garbi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Batala in July 1973, Registering Officer at

for on apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of transferor to pay tax under the Income-tax 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely: --

(1) Pt. Prabh Dayal, Brij Mohan S/o Late Pt. Charan Dass & Bhupinder Pal, Chander Pal, Deepuk Pal SS/o Pt. Hans Raj, near Power House, Dhariwal.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit, Satya Pal, Bimla Rani & Asha Rani c'o M/s National Foundry, G. T. Road, Batala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property-

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2510 of July 1973 of the Registering Authority, Batala,

> D. S. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,

> > Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/BTL/AP-572/73-74.—Whereas J. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No of July 1973, situated at V. Sri Hargobindpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transto believe that the immovable property, having a fair market

ferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer

at Batala in July, 1973, for an apparent considera-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (5.) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incom-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Chajju Singh s/o S. Ranjit Singh, Ravail Singh s/o Chet Singh V. Hargobindpur Teh. Batala, Shri Jajhar Singh s/o Dhanna Singh R/o Nanowal Jeender Teh. & Distt. Gurdaspur & Shri Mathura Singh s/o Lachman Singh R/o Kotli Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Singh, Rascel Singh & Kulwant Singh s/o Bhajan Singh, Tara Singh s/o Kirpal Singh R/o Sri Hargobindpur, Teh. Batala.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have & right to be heard at the hearing of the objections.

ENPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2537 of July 1973 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Jul/AP-573/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 Kothi 649 Model Town, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 3874 of July 1973, situated at Model Town, Juliundur, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the production or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Hakim Singh s/o Jai Singh, Amarjit Singh & Gurinder Singh, SS/o Shri Hakim Singh, Jullumtur.

  (Transferor)
- (2) Smt. Nasib Kaur w/o Shri Udham Singh of V. Sansarpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/2 Kothi No. 649 Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3874 of the Registering Authority, Jullundur Regd. Deed of July 1973.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Soal

FORM I.T.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 30th Jahuary 1974

No. ASR/Jul/AP-574/73-74.—Whereas, 1, D. S. Gupta, being the competent authority under Sec. 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Kothi 649 Model Town, Jullundur as mentioned in

No. 1/2 Kothi 649 Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3901 of July 1973, situated at Model

Town, Jullundur,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the tfansferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1)

of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hakim Singh s/o Shri Jai Singh, Amarjit Singh & Gurinder Singh SS/Shri Hakim Singh, Jullundur.
  (Transferor)
- (2) Smi. Bachan Kaur w/o Sh. Joginder Singh s/o Shvi Udham Singh of Sansarpur (Now DSP-BSF Jullundur).

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 Kothi No. 649 Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3901 of July 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 30-1-1974

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Jul/AP-575/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 649 Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds No. 3874 & 3901 of July 1973. situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1973, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

(1) Shri Hakim Singh s/o Shri Jai Singh, Amarjit Singh & Gurinder Singh SS/o Shri Hakim Singh, Jullundur. (Transferor)

- (2) Smt. Nasib Kaur w/o Shri Udham Singh of V. Sansarpur. Smt. Bachan Kaur w/o Shri Joginder Singh s/o Shri Udham Singh of Sansarpur (Now DSP-BSF-Jullandur).
  - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this restice against the acquisition of the immovable property with he fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the trunsferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kothi No. 649 Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds No. 3874 & 3901 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE

Amritsac, the 30th January 1974

No. ASR/PHI./AP-576/73-74.—Whereas J. D. S. Gupta, acquisition Range-II. Calcutta being the Competent Authority under Section 269B of

the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 1851 of July 1973, situated at Village Gana Pind,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phillaur in July 1973,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lacome-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incomeiax Acr, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Bhagat Singh s/o Udham Singh V. Atta, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh, Bhajan Singh, Gurmel Singh s/o Karam Singh r/o Nagal Teb, Phillaur, (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear ing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FEXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land in village Ganapind as mentioned in the registered deed No. 1851 of July, 1973 of S.R. Phillaur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date · 30-1-1974

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE.
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/SPR/AP-577/73-74.—Whereas 1, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 497 of July 1973, situated at V. Aladita, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets been or which ought to be transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the tssue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Arjan Singh s/o Shri Kishan Singh R/o Aladita Teh. Sultanpur Lodhl.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdas Singh s/o Shri Surain Singh R/o Aladita Teh. Sultanpur Lodhi.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

  Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 497 of July, 1973 of the Registering Authority, Sultanpur Lodhi,

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Amritar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/SPR/AP-578/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent Authority

under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and as mentioned in the Registered Deed No. 521 of July 1973, situated at V. Kamal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sultanpur Lodhi in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

21—496GI/73

- (1) Shri Kartar Singh s/o S. Jewan Singh R/o Kamal-(Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh s/o Shri Ganga Singh V. Chakha Kuib Teh. Gurdaspur.

  (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above.
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. |Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 521 of July 1973 of the Registering Authority, Sultanpur Lodhi.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/PHG/AP-579/73-74.—Whereas J, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 811 of July 1973, situated at V. Ranipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Re-Phagwara in July 1973, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bunto Wd/s Shri Battan Singh & Mahinder Singh s/o Shri Battan Singh, Ranipur.

(Transferor)

(2) Shri Swarn Singh s/o Shri Thakar Singh R/o Jagpalpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have n right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 811 of July 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOMECE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/PHG/AP-580/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 822 of July 1973, situated at V. Khilwara,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Phagwara in July 1973.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Bhan Singh s/o Shri Ganda Singh, Phagwara.
(Transferor)

- (2) Shri Harbans Singh, Charan ingh, Karnail Singh, Jarnail Singh S/o Shri Ananta Singh, Khilwara. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above.
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 822 of July, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/PHG/AP-581/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Autho-

rity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear-No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 914 of July 1973. situated at V. Hadiabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kunj Lal s/o Shri Gajju Mal R/o Hadiabad. (Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Swarn Singh s/o Udham Singh, Pallahi. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 914 of July, 1973 of the Registering Authority, Phagwarn.

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269-D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/PHG/AP-582/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 855 of July, 1973, situated at V. Hadiabad,

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Romesh Kumar, Sohan Lal SS/o Shri Ram Murti R/o Hadiabad.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh s/o Shri Bhagat Singh, R/o

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. |Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. ¡Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 855 of July, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/PHG/AP-583/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 844 of Jūly, 1973, situated at Model Town, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Gurbachan Kaur w/o Shri Pritam Singh, Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Banta Ram s/o Shri Lorinda Ram c/o Three X Engg. Moti Bazar, Phagwara.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 844 of July, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/PHG/AP-584/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 843 of July 1973, situated at Model Town, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Phagwara in July 1973, for an apparen tonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisiton of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Gurbachan Kaur w/o Shri Pritam Singh, Model Town, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Singh s/o Shri Budh Singh, Hadiabad.
  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 843 of July, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30th January 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Shahkot/AP-585/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/. and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 777 of July, 1973 situated at V. Shahkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sham Piari d/o Smt. Durga Devi Wd/o Shri Gurbax Singh R/o Shahkot.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh s/o Shri Bawa Singh R/o Bhullar (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. |Person(s) in occupation of the Property|
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein-as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 777 of July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

FORM ITNS----

(2) Shrt Mohan Sinhg s/o Shri Bawa Singh R/o Bhullar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Propertyl

#### GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR** 

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Amritsar, the 30th January 1974

- (a) by any the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- No. ASR/Shahkot/AP-586/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent
  Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land as mentioned in the Regsitered Deed No. 778 of July, 1973 situated at V. Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has heen transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Shahkot in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-
- in the said (b) by any other person interested immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such the transferee of the property.

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which the moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957). It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons,

#### THE SCHEDULE

namely :---

Land as mentioned in the Registered Deed No. 778 of July. 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

(1) Smt. Sham Piari d/o Smt. Durga Devi Wd/o Shri Gurbax Singh R/o Shahkot.

D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Amritsar.

(Transferor)

Date: 30-1-1974

Seal:

22-496 GI/73

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/S.Kot/AP-587/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 789 of July, 1973, situated at V. Shahkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Smt. Sham Piari d/o Smt. Durga Devi Wd/o Shri Gurbax Singh R/o Shahkot.
   (Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh s/o Shri Puran Singh s/o Shri Santa Singh R/o Mehmowal Yusufpur.

Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 789 of July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Yaspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/S.Kot/AP-588/73-74.—Whereas, I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 781 of July, 1973, situated at V. Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahkot in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lajya Wati d/o Shri Durga Devi Wd/o Shri Gurdas Singh R/o Shahkot.

  (Trausferor)
- (2) Shri Puran Singh s/o Shri Joginder Singh s/o Kartar Singh R/o Tandowal. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other personn interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 781 of July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

#### FORM 1TNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAILOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/S.kot/AP-589/73-74.—Whereas I. D. S. GUPTA.

being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 782 of July, 1973 situated at V. Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registe ed under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahkot in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following personnamely:—

- (1) Smt. Lajva Wati d/o Shri Durga Devi Wd/o Shri Gurdas Singh R/o Shahkot. (Transferor)
- (2) Shri Jaswant Singh s/o S. Inder Singh s/o Shri Bishan Singh R/o Nangal Ambian. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. |Person(s) in occupation of the Property|
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 782 of July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

Seal

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA RANGE, 3 CHANDERPURI, TAILOR ROAD,

#### AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/S.kot/AP-590/73-74.—Whereas J. D. S. Supta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason o believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 780 of July, 1973 situated at V. Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred as per deed registered under the Indian Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahkot in July 1873. or an apparent consideration which is

ess than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration the transfer as consideration the transfer as consideration that the consideration for such transfer as consideration that the consideration for such transfer as greed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of :

'ART III—SEC. 11

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I iereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice nder sub-section (1) of section 269D of the Incomeax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Smt. Laiya Wati Smt. Durga Devi Wd/o Shri Gurdas Singh R/o Shahkot.

(Transferor)

(2) Shri loginder Singh s/o Shri Kartar Singh s/o Shri Ran Singh R/o Tandowal. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the aqquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 780 of July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

> D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/S.kot/AP-591/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 788 of July, 1973 situated at V. Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfetor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

aub-section (1) of section 269D of the income-ta Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- Smt. Lajya Wati d/o Smt. Durga Devi Wd/o Sh-Gurdas Singh R/o Shahkot.
   (Transferor)
- (2) Shri Partap Singh s/o Shri Jawala Singh s/o S Nihal Singh R/o Shahkot. (Transferee
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve period expires later;
  - (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 788 or July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/S.kot/AP-592/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have

reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 625 of July, 1973 situated at V. Laksian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahkot in July 1973 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Singh s/o Shri Sham Singh s/o S. Bela Singh R/o V. Malsian.

  (Transferor)
- (2) Smt. Kirpal Kaur Wd/o Shri Hazara Singh S/o Shri Sher Singh R/o Malsian.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 625 of July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition, Range
Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/S,Kot/AP-593/73-74.—Whereas I. D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 899 of July, 1973 situated at V. Saidpur Jhiri

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shahkot in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Bhan Singh s/o Tarlok Singh s/o S. Deva Singh V. Saidpur Jhiri (Shahkot).
   (Transferor)
- (2) Sushil Kumar s/o Mauohar Lal, Bimla Watl w/o Sh. Tarsem Lal, Sahita Kumari w/o Inderjeet,

Santosh Kumari w/o Ishwar Kumar c/o M/s Manohar Lal Sushil Kumar, Jawahar Market. Shahkot (Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation o the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the sale property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any of the person interested in the sale immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to thi notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be give to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 899 of July, 1973 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR RAOD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/S.Kot/AP-594/73-74,---Whereas I, D. S. GUPTA.

being the competent authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 761 of July, 1973 situated at V. Kanian Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahkot in July 1973 for an apparent.

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Jncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax namely:—
23-496GI/73

(1) Smt. Chinti etc. d/o Shri Munshi Ram s/o Shri Milkhi Ram R/o Bilga Teh. Phillaur.

(Transferor)

- (2) Shri Baldev Singh s/o Shri Sadhu Ram s/o Shri Munshi Ram R/o Kanian Kalan Teh, Shahkot, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 761 of July, 1973 of the Registering Authority, Shabkot.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/N.S./AP-595/73-74,---Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Land as mentioned in the regd. deed No. 1644 of July, 1973 situated at Mukandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawanshahr Daoba in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Smt. Bakhsho w/o Chanan Ram Buta Mandi. M. A. Jagat Singh s/o Shri Bhagwan Singh V. Mukandpur.

(Transferor)

(2) Shri Gurmejar Singh Hardeep Singh ss/o S. Jagat Singh and Shri Baljit Singh s/o Jagat Singh, Mukandpur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Mukandpur as mentioned in the regd. deed No. 1644 of July, 1973 of the Registering Authority, Nawanshahr Doaba.

D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/N.S./AP-596/73-74.—Whereas I. D. S. GUPTA. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 1790 of July, 1973 situated at Phanbra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1608) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr Doaba in July 1973 for an applicant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Dhian Singh s/o Gian Singh, Sh. Harnam Singh, Santokh Singh Gurnam Singh s/o Inder Singh s/o Sher Singh. Waryam Singh s/o Inder Singh Gen. Att. Amar Kaur w/o Waryam Singh V. Phanbra. (Transferor)
- (2) Shri Hakim Singh s/o Kishen Singh, Shri Nasib Kaur Balbinder Singh, Daljit Singh, Raghbir Singh s/o Hakim Singh of V. Jajja Khurd. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land at Phanbra as mentioned in the registered deed No. 1790 of July, 1973 of the registering Authority, Nawanshahar Doaba.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

#### 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Panipat/AP-597/73-74.--Whereas I, D. S. GUPTA.

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1622 of September, 1973 situated at V. Kalyana and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in September 1973

apparent consideration for an which is the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be displosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:

- (1) Shri Ganga Dayal s/o Shri Nathu Ram R/o Samal-(Transferor)
- (2) Shri Ram Kumar Jain, Krishan Dev, Moti Ram SS/o Shri Atma Ram R/o Samalkha. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property?
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1622 of September, 1973 of the Registering Officer, Panipat.

> D. S. GUPTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Panipat/AP-598/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 296D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory Building as mentioned in the Registered Deed No. 1165 of July, 1973 situated at Industrial Area, Panipat (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Panipat in July, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Lal s/o Shri Beli Ram, Asandh Road. Panipat. (Transferor)
- (2) M/s Swastika Handloom (P) Ltd., through Shri Gurcharan Dass, Managing Director, Panipat. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Propertyl
- (4) Any person interested in the property, Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Factory Building as mentioned in the Registered Deed No. 1156 of July, 973 of the Registering Authority, Panipat.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDERPURI, TAILOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Panipat/AP-599/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1326 of July, 1973 situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the thollowing persons namely:—

- (1) Shri Hukam Chand s/o Shri Ganga Ram Katarya & Narain Dewi w/o Shri Hukam Chand M. T. Panipat.

  (Transferor)
- (2) Smt. Sarmita Devi w/o Sh. S. K. Chopra, S. K. Chopra s/o Shri Basant Lal, Rattan Singh s/o Pritam Singh s/o Daula Singh, Shanti Devi w/o Shri Jaswant Singh, Hukam Chand, Bhagwan Dass etc. Panipat. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereot shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1326 of July, 1973 of the Registering Authority, Panipat.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 30-1-1974

# FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAILOR ROAD,
3 AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/KnI/AP-600/73-74.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 118 K 17 M. in village Kachpura as mentioned in the registered deed No. 2103 of July, 1973 situated at Kachpura, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Binay Chand s/o Niranjan Lal self and Mukhtari-am Shri Daya Chand s/o Niranjan Lal, Mokhmali Devi w/o Daya Chand, Smt. Lila Devi w/o Shri Junesh Chand, Urmila Devi d/o Sh. Daya Chand, Sheela Devi w/o Shri Binay Chand r/o Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Bakhtawar s/o Mula r/o Agond.
- (3) As at No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 118 K 17 M. in V. Kachpura as mentioned in the registered deed No. 2103 of July, 1973 of the Registering Authority, Karnal

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date: 30-1-1974

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of of the Property]

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Amritsar, the 30th January 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. ASR/Dehra/AP-601/73-74,—Whereas I, D. S. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 760 of September, 1973 situated at Tika Mauza Chanaur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Debra in September 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the

transfer; and or

following persons, namely:-

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons passely:

#### THE SCHEDULE

(1) Shri Nanak Chand, Jagat Ram SS/o Sh. Jaishi Ram s/o Shri Sant Ram R/o Bholwal Teh. Debra, (Transferor)

Land as mentioned in the Registered Deed No. 760 of September, 1973 of the Registering Authority, Dehra,

(2) Shri Hari Ram, Mast Ram, Piar Chand SS/o Shri Rann Nanak Chand, Munshi Ram SS/o Shri Basant Ram R/o Bholwal Teh. Dehra.

D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Scal: Date: 30-1-1974

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amilisar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Dehra/AP-602/73-74,--Whereas I, D. S.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 792 of September, 1973 situated at V. Tika Saltra Mauza Godhwar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Dehra in September, 1973. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Barara Ram s/o Sh. Hushnaki, Chandu, Roshan Lal, Taholu SS/o Sohana R/o Salj hara Teh. Dehra.

  (Transferor)
- (2) Sh. Moti Ram 5/0 Shri Rinka Ram, Dhian Single 8/0 Shri Moti Ram R/0 Sali hara, Teh. Dehra.
  (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used

herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

land as mentioned in the Registered Deed No. 792 of September, 1973 of the Registering Authority Dehra.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsan,

Date: 30-1-1974

Scal:

24--496GI/73

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Amritsar, the 30th January 1974

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/KNL/AP-603/73-74.—Whereas I. D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the regd. deed, No. 2742 of August, 1973 situated at V. Tasang (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Karnal in August, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income

consideration for such fransfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in

arising from the transfer; and or

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

# THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Land at Tasang as mentioned in the registered deed No. 2742 of August, 1973 of S.R. Karnal.

(1) Shri Parshotam Lat s/o Dhola Ram r/o Delhi. (Transferor)

D. S. GUPTA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

(2) Sbrj Puran, Dhani Ram ss/o Sadhu Ram 1 o Tasang.

Date: 30-1-1974

Scal:

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amtitsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Hamirpur/AP-604/73-74.—Whereas I. D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 812 of September. 1973 situated at V. Tika Sitroti Teh. Hamirpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hamirpur in Sentember 1973.

tering Officer at Hamirpur in September, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Any whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afgresald property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kishani Wd/o Shri Hukam Singh V, Sitroti Teh. Hamirpur.

(Transferor)

(2) Shi Surjit Singh, Amarjit Singh SS/o Dharam Singh V. Bhadwar, Teh. Hamirpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 812 of September, 1973 of the Registering Authority, Hamirpur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Americar,

Date: 30-1-1974

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s)

whom the undersigned knows to be interested in the

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref No. ASR/Nurpur/AP-605/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 16 of September, 1973 situated at V. Tika & Maja Raja Khas, Teh.

Nurpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registration and Nature in Sentember 1973.

tering Officer at Nagpur in September, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferce(a) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income atising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Munshi s/o Mehtab Singh Rajput R/o Tikka Raja Khas Teh, Nurpur.

(Transferor)

2 S/Shri Jai Singh, Man Singh, Raghbir Singh, Chiman Singh SS/o Shri Masat Ram s/o Munshi Ram Rajput R/o Marta Teh. Nurpur.

(Transferee)

Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 16 of September, 1973 of the Registering Authority, Nurpur,

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Nurpur/AP-606/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA.
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 23 of September, 1973 situated at V. Be-Desi Mauza Kanni (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nurpur in September, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the transferror(s) and the transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- , (1) Smt. Biaso Devi w/o Sh. Shankar Dass s/o Shri Jodha Ram, Be-Dasi Moza Kamni Teh. Nurpur. (Transferor)
  - (2) S/Shri Uttam Chand, Shadi Lal, Kewal Krishan SS/o Sh. Ker Ram, Amin Chand, Rajinder Kumar, Raj Kumar & Milkhi Ram SS/o Sh. Tula Ram. Karam Chand s/o Sh. Lachhoo Ram, Munshi Ram s/o Shri Pancho Ram, Kharati Ram & Nek Chand SS/o Shri Tota Ram R/o V. Har Teb. Debra. (Transferees)

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

· It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 23 of September, 1973 of the Registering Authority, Nurpur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR** 

Amritsur, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jag/AP-607/73-74,-Whereas I, D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1989 of August, 1973 situated at V. Fatchgarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jagadhri in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the tollowing persons, namely :--

(1) Shri Shivsher Singh s/o Raja Ravi Sher Singh, 29 Cantonment Road, Dehradun,

(Transferor)

(2) Kumari Bhagwant Kaur D/o Shri Roopinder Singh R/o Chhachrauli.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of of the Property)
- (4) Any person interested in the property, [Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 92 Kanals in V. Fatebgarh as mentioned in the Registered Deed No. 1989 of August, 1973 of the Registering Authority, Jagadhri.

D. S. GUPTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date: 30-1-1974

# (3) As at 5. No. 2 above. [Person(s) in occupation of of the Property]

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jag/AP-608/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA.
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1910 of August, 1973 situated at Jagadhri (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jagadhri in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby minimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri E. M. Sant Singh s/o Dr. Sant Singh R/o Sabuana.

  (Transferor)
- (2) J., Vishnoo Bhagwan s/o L, Rameshwar Dass Sh. Brij Mohan s/o Rameshwar Dass and Anil Kumar s/o L. Jaï Parkash R/o Jagadhri.

(Transferee)

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1910 of August, 1973 of the Registering Authority, Jagadhri.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

Seal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR** 

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jag./AP.609/73-74.—Whereas I, D. S. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1894 of August, 1973 situated at V. Fatehgarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jagadhri in August 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby juitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Shivsher Singh s to Raja Ravi Sher Singh 29 Cantonment Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Capt. Ravinder Singh Virk S/o Lt. Col. Roopinder Singh Virk R/o Chhachrauli,

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of of the Propertyl
- (4) Any person interested in the property. [Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

h is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 87 Kanaly 8 Marlas in V. Fatchgarh as mentioned in the Registered Deed No. 1894 of August, 1973 of the Registering Authority, Jagadhri,

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-1-1974 Scale:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD. AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jag./AP-610/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1987 of August, 1973, situated at V. Fatchgarh, (and more fully described in the Scheduled approved hereto). August, 1973, situated at V. Fatehgarh, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jagadhri in August 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as of control of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Shlvsher Singh s/o Raja Ravi Sher Singh 29, Cantonment Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Teilinder Singh s/o S. Dharam Singh Smt. Jasmer Kaur w/o Teilinder Singh R/o Chhachrauli. (Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 90 Kanals 17 Marlas in V. Fatehgarh as mentioned in the Registered Deed No. 1987 of August, 1973 of the Registering Authority, Jagadhri.

D. S. GUPTA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seal:

25-496GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD.
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jag/AP-611/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1988 of August, 1973, situated at V. Fatchgarh, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jagadhri in August 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initials not edines for the acquisition of the aforesaid nonerty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Shivsher Singh 8/0 Raia Sher Singh R/0 29, Cantonment Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) It Col. Roopinder Singh s/o Shri Dharm Singh Virk. R/o Chhachrauli.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 110 Kanals 19 Marlas in V. Fatehgarh as mentioned in the Registered Deed No. 1988 of August, 1973 of the Registering Authority, Jagadhri.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1)OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jag/AP-612/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed Nos. 1894, 1987, 1988 & 1989 of August 1973, situated at V. Fatehgarh,

No. Land as mentioned in the Registered Deed Nos. 1894, 1987, 1988 & 1989 of August 1973, situated at V. Fatehgarh, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jagadhri in August 1973, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shivsher Singh s/o Raja Ravi Sher Singh 29, Cantonment Road, Dehradun.
  - (Transferor)
- (2) Capt. Ravinder Singh Virk s/o Lt. Col Roopinder Singh Virk, Telinder Singh s/o Shri Dharam Singh, Smt. Jasmer Kaur w/o Shri Telinder Singh, Lt. Col. Roopinder Singh s/o Shri Dharam Singh Virk, Kumari Bhagwant Kaur D/o Lt. Col. Roopinder Singh R/o Chhachrauli.

(Transferse)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands as mentioned in the Registered Deed Nos. 1894, 1987, 1988 & 1989 of August 1973 of the Registering Authority, Jagadhri. The land is situated in V. Fatehgarh.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Runge, Amritsa

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1820

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/N.Garh/AP-613/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1489 of October, 1973, situated at V. Dera, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Naraingarh in October 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the transfer(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeds for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 S/Shri Rakhab Dass, Roshan Lal, Amar Nath s/o Shri Amin Chand R/o Sadhaura.

(Transferor)

(2) Shri Romesh Kumar, Jagdish Kumar SS/o Lorind Chand, Anil Chand s/o Saboo Ram R/o V. Dera. (Transferee) (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 136 Kanals 3 marlas in V. Dera as mentioned in the Registered Deed No. 1489 of October, 1973 of the Registering Authority, Naraingarh.

D. S. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Kulu/AP-614/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 636 of October 1973, situated at V. Fatti, and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kulu in October 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Shila w/o Shri Romesh Singh Rajout R/o Katri Kothi, Baragarh Teh. Kulu.
  - (Transferor)
- (2) Shri Sej Ram s/o Shri Nukh Jangpo Rajput R/o Lor Kothi Varpa Teh, Kateg.

(3) As at. S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any of the person interested in the said immovable property with in 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 636 of October, 1973 of the Registering Authority, Kulu.

> D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seal:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Kulu/AP-615/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 637 of October, 1973, situated at V. Fatti, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kulu in October 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1937).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1901) to the following persons, namely:---

(1) Smt. Shila w/o Shri Romesh Singh Rajput R/o Katri Kothi Baragarh Teh. Kulu.

(Transferor)

(2) Shri Chhaya Ram s/o Shri Bhagat Ram Raiput R/o Kothi Tandi Teh. Katarg, Distt. Lahaul Sipti.

Seal:

Date: 30-1-1974

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 637 October, 1973 of the Registering Authority, Kulu.

D. S. GUPTA

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 3 CHANDERPURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amtitsar, the 30th January 1974

No. ASR/Kulu/AP-616/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, No. ASR/Kulu/AP-616//3-/4.—Whereas 1, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 638 of October, 1973, situated at V. Fatti. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as not registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-

tering officer Kulu in October 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfe or to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Shila w/o Shri Romesh Singh Raiput R/o Katri Kothi Baragarh in Teh. Kulu.

(Transferor)

(1) Shri Chhaya Ram s/o Shri Bhagat Ram Rajput Kathi Tandi Teh. Katang Distt. Lahaul Spiti.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 638 of October, 1973 of the Registering Authority Kulu.

> D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Kulu'AP-617/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 636, 637, 638 & 639 of October, 1973, situated at V. Fatti, and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kulu in October 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the transfer for such pransfer as agreed to between the transfer(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Shila w/o Shri Romesh Singh Rajput R/o Katri Kothi Baragarh Teh. Kulu.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sej Ram 8/0 Nukh Jangpo Raiput R/0 Lor Kothi Varpa Teh. Kateg 2 Shri Chhava Ram 8/0 Bhasat Ram Raiput R/0 Kothi Tandi & Sai Ram 8/0 Nukh Jagno I ol Kothi Varpa Teh. Kateg 3. Shri Chhava Ram 8/0 Bhasat Ram Raiput R/0 Kothi Tandi Teh. Katang Distt. Lahaul Spiti. 4. Shri Chhava Ram 8/0 Bhasat Ram Raiput R/0 Kothi Tandi & Sai Ram S/0 Nukh Jangpo R/0 Lor Kothi Varpa.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.

  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 636, 637 638 & 639 of October, 1973 of the Registering Authority, Kulu.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/AP-619/73-74.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed
No. 1164 of July 1973, situated at Daya Nand Nagar,

Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Application 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Amar Nath s/o Shri Jagan Nath Chuneja Br., Khilonia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok Chand s/o Shri Nathu Mal Kt. Moti Ram, Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registering Authority, Amritsar's Deed No. 1164 of July, 1973.

D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar. Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seal:

26-496GJ/73

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/AP-618/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1170 of July 1973, situated at Daya Nand Nagar, Amritsar, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath s/o Shri Jagan Nath Chuneja R/o Bazar Khilonia, Amritsar,

(Transferor)

Shri Kishan Chand Gupta c/o Govt. Oriental Assurance Co., Kt. Jaimal Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1170 of July 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 30th January 1974

Rcf. No. ASR/AP-620/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1472 of July 1973, situated at Krishan Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have beason to believe that the fair market value of the property as a forcestid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, (herefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Dr. Chander Mohan s/o Shri Amolak Ram Khanna, Braham Nagar Lawrence Road, Amritsar, Smt. Kamlesh Mehra w/o Shri Bhajan Lal Mehra D/o Shri Amolak Ram, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh, Jasbir Singh SS/o Shri Salwant Singh of Dhulka Teh. Amritsar, Smt. Harjinder Kaur w/o Shri Harbans Singh of Udonagar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
  [Person(s) whom the undersigned knows to he interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1472 of July, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

> D. S. GUPTA Competent Authrity, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Gsp/AP-623/73-74.—Whereas, I D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property baying a fair market value

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2529 of

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2029 of July 1973, situated at V. Dewile, and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurdaspur in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to

tering officer at Gurdaspur in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1937).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shti Kanwar Singh, Swaran Singh SS/o Shri Bhagwan Singh R/o Jagewal.

(Transferor)

 Shri Gurbachan Singh s/o S. Hazara Singh R/o V. Dogar Mahesh Pati Bulpan.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have right to be hard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2529 of July 1973 of the Registering Authority, Gurdaspur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Gsp/AP-622/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as montioned in the Registered Deed No. 2411 of July 1973, situated at V. Kahenwal,

and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Gurdaspur in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefo. by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or the transfer and/or
- (b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Baldev Singh, Karam Singh SS/o Shri Dhirt Ram R/o Kahnewal.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh, Kashmir Singh, Darshan Singh, Tara Singh SS/o Shri Diwan Singh, R/o Sathiali. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. |Person(s) in occupation of the Property|
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2411 of July, 1973 of the Registering Authority, Gurdaspur.

> D. S. GUPTA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX. ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-628/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3576 of July, 1973, situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Major Param Jit Singh s/o Shri Bawa Singh s/o Shri Kanbia Singh, 262 New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt, Tripata Rani w/o Shri Bhagat Singh, Cloth Merchant, Nurmahal.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3576 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliuodur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974,

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-629/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3574 of July, 1973 situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and th transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the accuusition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid p operty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Major Param Jit Singh s/Q Shri Bawa Singh s/O Shri Kanhia Singh, 262 New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Bulla Singh s/o S. Bhagat Singh, Cloth Merchant, Nurmahal. (Transferee)

(a) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3574 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range Amritsar.

Date: 30-1-1974,

Seal ;

Competent

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-630/73-74.—Whereas I, D. S.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3383 of July. 1973 situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiatings procedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Major Param Jit, Singh s/o Shri Bawa Singh s/o Shri Kanhia Singh, 262 New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Balwant Kaur w/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Harnam Singh c/o S. Bhagat Singh, Cloth Merchant, Nurmahal. (Transferce)

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Propertyl

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3383 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundui-

> D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Seal -

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-631/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3382 of July, 1973 situated at Model Town, Juliundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transceree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Major Param Jit Singh s/o Shri Bawa Singh s/o Shri Kanhia Singh, 262 New Jawahar Nagar. Jullundur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Bhagat Singh s/o Gurdial Singh s/o Shri Har-nam Singh C/o S. Bhagat Singh, Cloth Merchant Nurmahal. (Transferce)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Propertyl

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property?

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3382 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliundur,

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Scal:

27-496GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-633/73-74.—Whereas J, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 4110 of July, 1973 situated at G.T. Road, Jullundur and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Satlui Chit Fund Finance Co. (P) Ltd., G.T. Road, Jullundur.
- (2) S. Parkeshwar Singh s/o S. Basant Singh R/o Jodiala Teh, Jullundur,

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 4110 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Scal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Annitsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-634/73-74.--Whereas I, D. S. GUPTA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3578 of July, 1973. situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-tering officer at Jullundur in July, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- Shri Chaman Lal, Sunder Lal SS/o Ladha Ram s/o Shri Banwari Dass, Basti Sheikh, Jullundur. (Transferor)
- (2) Major Param Jit Singh s/o S. Bawa Singh s/o S. Kanahia Singh, 262 New Jawahar Nagar, Jullundur-(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Propertyl

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3578 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliundur.

> D. S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Seal .

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-635/73-74.—Whereas I, D. S. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 4116 of July, 1973 situated at Model Town, Jullundur. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore he more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Shri Kidar Nath s/o Shri Waryam Dass s/o Shri Dewan Chand, 5/R Model Town, Jullundur.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Krishna Kumari w/o Shri Joginder s/o Shri Harnom Dass, Jullundur.

(Transforce)

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

the propertyl

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this main in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 4116 of July, 1973 of the Registering Authority, Juliundur.

> D. S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Scal -

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-636/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3251 of July, 1973 situated at G.T. Road, Jullundur (and more fully described in the Scheduled anneved hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Om Parkash Mohindru s/o Shri Kanahia Lal
   s/o Shri Dhanpat Ram Retd, XEN CPWD R/o A-1/65, Safdar Jang Enclave, New Delhi,
  - (Transferor)
- (2) S/Shri Tilak Raj, Prem Chand SS/o Shri Baboo Lal R/o WG 361 Mohalla Suraj Ganj, Jullundur. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3251 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullandur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amitsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/N.S./AP-637/73-74.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1730 of July, 1973, situated at V. Rahon. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawan Shehar Doaba July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the storesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proby the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the rollowing persons, namely:

- (1) Shri Chanan Singh, Rattan Singh, Ss/o Shri Bhan Singh V. Rahon. (Transfere
- (2) Shri Sant Ram s/o Shri Ruldha Ram of Rahon. (Transferce)

- (3) Shri Sant Ram s/o Shri Ruldha Ram of Rahon, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propery].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will he fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1730 of July, 1973 of the Registering Authority, Nawan Shehar Doaba.

> D. S. GUPTA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Soal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/N.S./AP-638/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the regd. deed No. 1580 of July, 1973, situated at V. Rahon. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawan Chahar Doaba July 1973. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfere as agreed to between the transfer(s) and the transfere as agreed to between the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of which ought to be disclosed by the transferce for

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shii Piara Singh, Saudagar Singh V. Rahon.
  (Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh s/o Dilbagh Singh V. Rahon.
  (Transferee)

- (3) Shri Avtar Singh s/o Dilbagh Singh V. Rahon. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person (- whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Rahon as mentioned in the regd. deed No. 1580 of July. 1973 of the Registering Authority Nawanshahar Daoba.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.
Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX. ACQUISITION
RANGE. 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/N.S./AP-639/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 1581 of July, 1973, situated at V. Rahon. and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawan Shehar Doaba in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen p<sub>7</sub>r cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kusham Kanta. Santosh Kumari through Gen. Att. Dev Raj Malhotra r/o Rahon.
  (Transferor)
- (2) Shri Lal Singh s/o Keshar Singh r/o Rahon.
  (Transferee)

- (3) Shri Lal Singh s/o Keshar Singh r/o Kahon.

  [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at V. Rahon as mentioned in the registered deed No. 1581 of July, 1973 of the Registering Authority, Nawanshahar, Doaba.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/N.S./AP-640/73-74.--Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. Land as mentioned in the registered deed. No. 1640 of July, 1973. situated at V. Shahpur, and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as not dead resistant. has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawanhahr Doaba, in July 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the tran fer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpons of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapte of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proc edines for the acquisition of the afo egid proper y by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

- (1) Shri Lal Singh s/o Pholo r/o Shekhpur Bag. (Transferor)
- (2) Shri Mohan Singh s/o Dev Raj V. Daya pur. (Transferre)

- (3) Shri Mohan Singh s/o Dev Raj V. Dayalpur. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4 5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at V. Shahpur as mentioned in the registered deed No. 1640 of July, 1973 of S. R. Nawanshahr Doaba.

> D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range, Amritsar,

Date: 30-1-1974.

Seal:

28-496GI|73

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/N.S./AP-641/73-74.—Wherea, I, D. S. Gunta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1951 of July 1973, situated at Nawan Shehar, and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawan Shehar Doaba July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the number of the Juden Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 cf 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of second 26°D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Karam Singh s/o S. Watan Singh R/o Bhin Attorney of Ram Sahai s/o Sh. Shanker Sahay of N. Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Jeon Singh s/o Khem Singh Nawan Shehar, Shri Ratton Singh s/o Shri Khem Singh Sugar Kanta, Pirmal Kanta, Sushan Kanta D/o Keshaw Chander Nawan Shehar c/o Theatre Nawan Shehar (Transferee)

- (3) Shri Jeon Singh s/o Khem Singh Nawan Shchar, Shri Rattan Singh s/o Shri Khem Singh, Swa an Kanta, Pirmal Kanta, Sushan Kanta D/o Keshaw Chander Nawan Shshar c/o Theatre Nawan Shehar. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1951 of July. 1973 of the Registering Authority, Nawan Shehar Doaba.

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

(3) As at S. No. 2 above. hPerson(s) in occupation of the Propertyl

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 30th January 1974

No. ASR/Gsp/AP-624/73-74.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2609 of July 19/3, situated at V. Chhohan,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurdaspur in July, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fineen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of ot 1961) in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transterce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 '43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1901 (43 of 1901) have occurred by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate p.occ-dings for the acquisition of the aforsa d property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Singh, Rattan Singh, Charan Singh, Balwant Singh SS/o Shri Sunder Singh R/o Chhohan.
- (2) Shri Birsa Singh S/o S. Uttam Singh R/o V.

(Transferor)

(Transferce)

(4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisit on of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2609 of July, 1973 of the Registering Authority, Gurdaspur.

> D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seal:

Chhohan.

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD.

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Gsp./AP-625/73-74.—Whereas I, D. S. GUPIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2248 of July,1973 situated at V. Chhichhra (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurdaspur in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transfere as not been truly scaled in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoles of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapte. XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec tion(1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Jagat Singh s/o Shri Ganda Singh R/o V. Chhichbra, Teh. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Smt. Salwinder Kaur w/o Shri Chanan Singh s/o Shri Mangal Singh R/o Satkoha, Teh. Gurda pur. (Transferee)

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2248 of July, 1973 of the Registering Authority, Gurdaspur-

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR** 

Amritsar, the 30th January 1974

Ref No. ASR/GSP/AP-626/73-74.—Whereas I, D. S. GUPTA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2250

of July, 1973 situated at V. Chhichhra
(and more full described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurdaspur in July, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo esaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Sh. Jagat Singh s/o Shri Ganda Singh R/o Chhi-(Transferor)
- (2) Shri Jagir Singh s/o Shri Mangal Singh R/o Satkoha-(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) occupation of the Propertyl

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land, as mentioned in the Registered Deed No. 2250 of July, 1973 of the Registering Authority, Gurdaspur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974,

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURL TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-627/73-74.—Whereas I, D. S. GUPΓA,

being the competent authority under section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Ks. 25.000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 3182, 3383, 3574 & 3576 of July, 1973 situated at Model Town, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered and r the Lidian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair must be value of the appropriate that the fair must be value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flateen process of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Westlet tax Act, 1967 (27 of 1967) 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate n oc ediags ic, the acquisi ion o, the afo esaid proper v by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the ficome-tax Ac., 1961 (43 of 1961) to the following persons ramely:--

(1) Major Param Jit Singh s/o Shri Bawa Singh s/o Shri Kanhia Singh, 262 New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhagat Singh s/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Harnam Singh, 2. Smt Balwant Kaur w/o Shri Gurdial Singh, 3. Shri Bulla Singh s/o Shri Bhagat Singh, Smt. Tripta Rani w/o Shri Bhagat Singh c/o S. Bhagat Singh, Cloth Merchant, Nurmahal.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Propertyl
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of posice or the service of th the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice agai st the acquisition of the mmovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deeds 3382, 3383, 3574 & 3576 of July, 1973 of the Registering Authority, Jullundur

> D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

# FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR** 

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-632/73-74.—Whereas I. D. S.

GUPTA.

PART III—SEC. 11

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed ng Rs. 25 000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 885 of July, 1973 situated at V. Madhopu (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-

gistering Officer at Phagwara in July, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice add sno-seeds (1), see on 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Shu Udho s/o Shri Bir Bhan, & Shri Nimho s/o Shri Udho R/o Madhopur.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Singh s/o Shri Maha Singh & Tara Singh Bikar Singh SS/o Arjan Singh R/o Banmalipur Tehsil Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days f om the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisit on of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 885 of July, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

> D. S. GUPTA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-1-1974.

Seal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD.

Amritsar, the 30th January 1974

Ref. No. ASR/AP-621/73-74.—Whereas I. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1373 of July 1973, situated at Chamrang Road, Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tansferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o- the Income-tax Act, 196' (23 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: -

- (1) Shri Rattan Singh, Schan Singh Harnam Singh 8/0 Shri Kehar Singh & Basant Kaur w/o Shri Gulzar Singh Rakshish Singh s/o Teja Singh s/o Narain Singh Tung Pai, (Transferor)
- (2) Shri Jagir Singh s/o Shri Burat Singh Gurbochan Singh Hardval Singh SS/o Shri Harbhaian Singh, Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovible property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding raragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1373 of July 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

> D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Incom- Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-1-1974

Seal:

(Transferee)